हरिभूमि की खबरों का असर: बिछुआ में सागौन तस्करों पर वन विभाग का छापा, मशीनें हुई सील, लाइसेंस निरस्तीकरण की अनुशंसा

लगातार तीन खबरों के प्रकाशन के बाद जागा विभाग, लेकिन बड़े सवाल अब भी बरकरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

आखिरकार हरिभूमि द्वारा लगातार प्रमुखता से प्रकाशित की गई खबरों का असर दिखाई दिया और बिछुआ क्षेत्र में लंबे समय से संचालित अवैध सागौन तस्करी के खिलाफ वन विभाग को कार्रवाई के लिए मैदान में उतरना पड़ा। पिछले कई दिनों से हरिभूमि ने सिलसिलेवार तरीके से सागौन की अवैध कटाई, लकड़ी के भंडारण और तस्करी के नेटवर्क का खुलासा किया था। खबरों के प्रकाशन के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।

हालांकि वन विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए मशीनें सील कर दी, रिकॉर्ड जब्त किए और प्रकरण दर्ज किया, लेकिन स्थानीय लोगों का मानना है कि यह कार्रवाई उस स्तर की नहीं है जिसकी अपेक्षा की जा रही थी। आरोप है कि विभाग के खुफिया तंत्र की कमजोरी के कारण आरोपियों को पहले ही छापेमार कार्रवाई की भनक लग गई थी, जिसके चलते बड़ी मात्रा में लकड़ी पहले ही ठिकाने लगा दी गई।

रात में कटती थी लकड़ी, सुबह तक हो जाती थी गायब

स्थानीय लोगों के अनुसार क्षेत्र में लंबे समय से संगठित तरीके से सागौन की अवैध कटाई की जा रही थी। जंगलों से कीमती सागौन के पेड़ों को मशीनों की सहायता से काटा जाता था और रातों-रात उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचा दिया जाता था। सुबह तक अधिकांश लकड़ी गायब हो जाती थी, जिससे कार्रवाई करने वाली एजेंसियों के हाथ केवल सीमित मात्रा में माल ही लग पाता था।

बताया जाता है कि यह पूरा नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय था और स्थानीय स्तर पर इसकी जानकारी भी लोगों को थी। इसके बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से तस्करों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे थे। हरिभूमि ने इस पूरे मामले को प्रमुखता से उठाया और लगातार तीन खबरों के माध्यम से वन विभाग का ध्यान इस ओर आकर्षित किया।

वन विभाग की टीम ने की जांच, कई दस्तावेज मिले संदिग्ध: कार्रवाई के दौरान पेंच टाइगर रिजर्व के कुंभपानी रेंज से रेंजर मार्तंड मरावी, वनरक्षक प्रसून मालवीय, वनरक्षक नरेंद्र परमार, वनरक्षक मानसिंह मरकाम, शंकर मर्सकोले तथा अन्य अधिकारियों के साथ छिंदवाड़ा रेंज के रेंजर नीरज बिसेन मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान टीम ने रिकॉर्ड मेंटेन रजिस्टर, स्टॉक रजिस्टर और अन्य दस्तावेजों की जांच की। कई दस्तावेजों में गड़बड़ियां और अनियमितताएं पाए जाने की जानकारी सामने आई है। इसके अलावा लकड़ी काटने में प्रयुक्त आरा मशीन को भी सील कर दिया गया है। वन विभाग ने संपूर्ण प्रकरण की रिपोर्ट तैयार कर जिला मुख्यालय भेज दी है तथा वरिष्ठ अधिकारियों को भी इसकी जानकारी दे दी गई है। मामले में अपराध दर्ज कर विधिवत प्रकरण कायम किया गया है।

छापे से पहले ही लीक हो गई थी सूचना ? पूरी कार्रवाई के दौरान सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर वन विभाग की टीम के पहुंचने से पहले आरोपियों को सूचना कैसे मिल गई। स्थानीय लोगों का दावा है कि विभाग की एक टीम सुबह करीब सात बजे क्षेत्र में पहुंची थी और उसी दौरान कार्रवाई की भनक तस्करों तक पहुंच गई।आरोप है कि सूचना मिलते ही तस्करों ने बड़ी मात्रा में लकड़ी और अन्य सामग्री को वहां से हटा दिया। यही कारण रहा कि वन विभाग को मौके से अपेक्षाकृत कम मात्रा में लकड़ी बरामद हो सकी। ग्रामीणों का कहना है कि यदि कार्रवाई पूरी तरह गोपनीय तरीके से की जाती तो करोड़ों रुपये मूल्य की सागौन लकड़ी और तस्करी के नेटवर्क से जुड़े कई बड़े खुलासे सामने आ सकते थे।

इनका कहना है

गुरूवार को संबंधित शिकायत पर कार्यवाही की गई है। आगे भी अगर कोई भी शिकायत मिलती है तो विभाग द्वारा सख्त कार्यवाही की जाएगी। जांच जारी है।

नीरज बिसेन, वन परिक्षेत्र अधिकारी, छिंदवाड़ा

नीचे तक फैले नेटवर्क की जांच जरूरी

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि वन तस्करी जैसे संगठित अपराध बिना स्थानीय सहयोग के संभव नहीं हैं। जंगलों से लकड़ी काटना, उसे परिवहन करना, भंडारण करना और फिर बाजार तक पहुंचाना एक लंबी प्रक्रिया है। ऐसे में यह जांच का विषय है कि आखिर इतने बड़े स्तर पर चल रही गतिविधियों की जानकारी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को क्यों नहीं मिली। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ निचले स्तर के कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में लाई जानी चाहिए। लोगों का कहना है कि जब तक सूचना लीक करने वाले और तस्करों को संरक्षण देने वाले लोगों की पहचान नहीं होगी, तब तक ऐसी कार्रवाइयों का अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आएगा।

मशीनें सील, लाइसेंस निरस्त करने की अनुशंसा

छिंदवाड़ा रेंज के रेंजर नीरज बिसेन ने बताया कि जांच के दौरान लकड़ी काटने में प्रयुक्त मशीनें को सील किया गया है। साथ ही संबंधित लाइसेंस को निरस्त करने की अनुशंसा भी की गई है। मामले की विस्तृत जांच जारी है और आगे भी कार्रवाई की जाएगी।हालांकि अब लोगों की नजर इस बात पर टिकी हुई है कि यह कार्रवाई केवल औपचारिकता बनकर रह जाती है या फिर वन विभाग वास्तव में पूरे नेटवर्क तक पहुंचकर बड़ी कार्रवाई करता है।

जितनी कटाई हुई, उसके मुकाबले जब्ती बेहद कम

वन विभाग की कार्रवाई के बाद भी एक तथ्य लगातार चर्चा में बना हुआ है कि जंगलों से जितनी मात्रा में सागौन की कटाई की गई, उसके मुकाबले जब्त की गई सामग्री बेहद कम है। इससे यह आशंका और मजबूत होती है कि छापे की सूचना पहले ही आरोपियों तक पहुंच चुकी थी। पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि सागौन जैसे बहुमूल्य वृक्षों को तैयार होने में दशकों का समय लगता है, जबकि माफिया कुछ घंटों में उन्हें काटकर जंगलों को उजाड़ रहे हैं। यदि समय रहते कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले वर्षों में क्षेत्र की जैव विविधता और पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ सकता है।

हरिभूमि रखेगा नजर, तस्करों के खिलाफ जारी रहेगी मुहिम

हरिभूमि ने जिस तरह इस पूरे मामले को प्रमुखता से उठाया, उसके बाद वन विभाग को कार्रवाई के लिए मजबूर होना पड़ा। यह कार्रवाई निश्चित रूप से एक शुरुआत है, लेकिन अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। हरिभूमि की टीम वन संपदा की लूट, जंगलों की अवैध कटाई और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है। यदि भविष्य में भी कोई लकड़ी माफिया जंगलों को नुकसान पहुंचाने का प्रयास करता है तो उसे उजागर करने का कार्य जारी रहेगा। साथ ही वन विभाग से भी अपेक्षा की जाती है कि वह केवल प्रतीकात्मक कार्रवाई तक सीमित न रहकर पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में ठोस कदम उठाए। क्योंकि जंगल केवल लकड़ी का स्रोत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की प्राकृतिक धरोहर हैं, जिन्हें बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

सागौन तस्करी करते चार आरोपी गिरफ्तार, दो बाइक और सागौन लट्ठे जब्त

वन परिक्षेत्र कुंभपानी बफर अंतर्गत वन विभाग और पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई में सागौन की अवैध तस्करी करते हुए चार आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोपियों के कब्जे से दो मोटरसाइकिल और तीन नग सागौन लट्ठे जब्त किए गए हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 3-4 जून 2026 की दरम्यानी रात वन विभाग की गश्ती टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बंधानमाल से खमरियामाल मार्ग पर कुछ लोग अवैध रूप से सागौन की लकड़ी का परिवहन कर रहे हैं। सूचना मिलते ही वन विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में घेराबंदी कर निगरानी शुरू कर दी।ग्राम बंधानमाल के समीप दो मोटरसाइकिलों पर चार व्यक्ति सागौन के लट्ठे ले जाते दिखाई दिए। टीम ने उनका पीछा करते हुए ग्राम खमरियामाल के पास घेराबंदी कर रोक लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम विशाल सर्राठे, भीम इनवाती, धर्मेन्द्र खानवे तथा सीम सर्राठे निवासी बंधानमाल बताए।कार्रवाई के दौरान हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल क्रमांक **MP**-28-**ZJ**-8982 एवं **MP**-28-**ZF**-3388 सहित तीन नग सागौन लट्ठे, कुल 0.148 घनमीटर लकड़ी जब्त की गई। वन विभाग ने आरोपियों के विरुद्ध पी.ओ.आर. प्रकरण क्रमांक 46081/23 दिनांक 04 जून 2026 के तहत मामला दर्ज किया है।आरोपियों पर भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 26(क) तथा मध्यप्रदेश वनोपज (व्यापार विनियमन) अधिनियम 1969 की धारा 5(1)(ग) के तहत कार्रवाई की जा रही है।इस कार्रवाई में परिक्षेत्र सहायक सुनील कुमार कुमरे, वनरक्षक कन्हैयालाल धुर्वे, पवन सहरिया, रंजीत सिंह रघुवंशी सहित सुरक्षा श्रमिकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्रवाई में बिछुआ पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का भी सहयोग रहा।

पर्यावरण दिवस पर हुई कार्रवाई, लेकिन विभाग के भीतर के विभीषण बने बड़ी चुनौती

बिछुआ क्षेत्र में सागौन तस्करी के खिलाफ वन विभाग की हालिया कार्रवाई ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि यदि विभाग चाहे तो वन माफियाओं पर शिकंजा कस सकता है। हालांकि इस पूरी कार्रवाई ने कई गंभीर सवाल भी खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सागौन तस्करों का नेटवर्क इतना मजबूत इसलिए बना हुआ है क्योंकि उन्हें विभाग के कुछ स्थानीय कर्मचारियों का संरक्षण प्राप्त है।बताया जाता है कि जैसे ही लकड़ी तस्करी की शिकायत वन विभाग तक पहुंचती है, शिकायतकर्ताओं की जानकारी संदिग्ध रूप से तस्करों तक पहुंच जाती है। कई मामलों में शिकायतकर्ताओं के मोबाइल नंबर तक तस्करों के पास पहुंचने की बातें सामने आई हैं। इतना ही नहीं, शिकायतकर्ताओं को फोन कर यह जानने का प्रयास किया जाता है कि शिकायत किसने और क्यों की है। यह स्थिति स्पष्ट संकेत देती है कि विभाग के भीतर बैठे कुछ ₹विभीषण₹ जंगल बचाने के बजाय तस्करों को लाभ पहुंचाने का काम कर रहे हैं।पर्यावरण दिवस के अवसर पर हुई इस कार्रवाई से निश्चित रूप से जंगलों को कुछ राहत मिली होगी, लेकिन यह राहत स्थायी तभी होगी जब तस्करों के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जाए। केवल कुछ लट्ठे और वाहन जब्त कर देने से समस्या का समाधान नहीं होने वाला। आवश्यकता इस बात की है कि वन विभाग का उड़न दस्ता लगातार क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाए और उन कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच करे जिन पर सूचना लीक करने या तस्करों से मिलीभगत के आरोप लग रहे हैं।बिछुआ और आसपास के जंगलों में सागौन की अवैध कटाई वर्षों से पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बनी हुई है। यदि समय रहते कठोर और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की गई तो वह दिन दूर नहीं जब क्षेत्र के जंगल सागौन विहीन होते चले जाएंगे। वन संपदा केवल राजस्व का स्रोत नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों की प्राकृतिक धरोहर है, जिसकी रक्षा करना वन विभाग की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर तामिया में पर्यावरण संरक्षण के दावों पर सवाल, निर्माण कार्यों में उखाड़े गए वर्षों पुराने पेड़

तामिया। एक ओर पूरे विश्व में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन का संदेश दिया जा रहा है, वहीं तामिया क्षेत्र में विकास कार्यों के नाम पर हरे-भरे पेड़ों की कटाई और पर्यावरणीय नुकसान के आरोप चर्चा का विषय बने हुए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिन पेड़ों को बचाने और संरक्षित करने की जिम्मेदारी प्रशासन एवं संबंधित विभागों की है, उन्हीं की अनदेखी के कारण वर्षों पुराने वृक्ष धराशायी हो रहे हैं। जानकारों के अनुसार पेड़ न केवल मानव जीवन के लिए प्राणवायु उपलब्ध कराते हैं, बल्कि कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर वायु प्रदूषण कम करने, तापमान नियंत्रित रखने और वर्षा चक्र को संतुलित बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद तामिया में कई निर्माण परियोजनाओं के दौरान पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी किए जाने के आरोप सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि विभिन्न शासकीय भवनों के निर्माण के लिए स्थल चयन करते समय मौजूदा वृक्षों और प्राकृतिक संरचनाओं का समुचित आकलन नहीं किया गया। परिणामस्वरूप जब निर्माण कार्य शुरू हुए तो

कई स्थानों पर दशकों पुराने फलदार और छायादार पेड़ निर्माण में बाधा के रूप में सामने आए। ऐसे पेड़ों को विधिवत अनुमति लेकर काटना आसान नहीं होने के कारण उन्हें सीधे उखाड़े जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत एक मिडिल स्कूल परिसर में बन रहे छात्रावास निर्माण का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां कई पुराने पेड़ों को हटाया गया। इसी प्रकार सांदी पानी स्कूल परिसर में लगभग 40 नीलगिरी के पेड़ों की कटाई कर उन्हें नीलाम किए जाने की बात भी सामने आई है। इसके बाद उसी परिसर में प्रस्तावित छात्रावास निर्माण के दौरान पेयजल टंकी को तोड़ने और निर्माण क्षेत्र में आने वाले वर्षों पुराने ऊमर के पेड़ को उखाड़ने के आरोप लगाए गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के लिए चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के बीच यदि पेयजल संरचनाओं और हरे-भरे वृक्षों को ही नष्ट किया जाएगा तो यह अभियान की भावना के विपरीत होगा। लोगों का तर्क है कि कंक्रीट की टंकी का पुनर्निर्माण संभव है, लेकिन वर्षों पुराने वृक्षों की भरपाई करना आसान नहीं है।

अपनी बचत से रोपे 500 पौधे, संकट आया तो कुआँ किराए पर लेकर बचाए 490 मोया पेड़

दमुआ। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोया के शिक्षक स्टाफ और स्थानीय समुदाय ने पर्यावरण संरक्षण की एक अद्भुत मिसाल पेश की है। पिछले वर्ष 15 अगस्त को 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत स्कूल परिसर में ग्रामीणों, पालकों और छात्रों की जनभागीदारी से 500 फलदार एवं छायादार पौधे रोपे गए थे। इस पूरे अभियान का खर्च शिक्षकों ने अपनी निजी बचत से वहन किया और **JCB** मशीन से गड्ढे करवाकर 20 से अधिक किस्मों के पौधे लगवाए।

संकट में दिखाई सूझबूझ

नवंबर माह में स्कूल का बोरवेल सूख जाने से पौधों के अस्तित्व पर संकट मंडराने लगा था। लेकिन शिक्षकों ने हार नहीं मानी। फरवरी माह तक टैंकरों के माध्यम से सिंचाई करने के बाद, ग्रीष्मकाल में पौधों को बचाने के लिए शिक्षकों ने 1500 प्रतिमाह की दर पर पास का एक निजी कुआँ किराए पर ले लिया। शिक्षकों की इस दूरदर्शिता और अनथक प्रयासों का ही परिणाम है कि भीषण गर्मी के बावजूद आज 500 में से 490 पौधे पूरी तरह सुरक्षित और जीवित हैं (98% सफलता दर)। स्कूल कैंपस को प्रकृति से जोड़ने और बच्चों को पर्यावरण का महत्व सिखाने का यह प्रयास आज पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा का केंद्र बना हुआ है।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को लेकर छिंदवाड़ा पुलिस का विशेष प्रशिक्षण शुरू

छिंदवाड़ा। आगामी सिंहस्थ-2028 महापर्व के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को ध्यान में रखते हुए पुलिस लाइन छिंदवाड़ा में 6 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पुलिस उप महानिरीक्षक श्री राकेश कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आशीष खरे, डीएसपी यातायात रामेश्वर प्रसाद चौबे, डीएसपी विशेष शाखा श्री अनुराग दूबे सहित जिले के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में जिला पुलिस बल, विशेष सशस्त्र बल, होमगार्ड तथा विभिन्न शाखाओं के अधिकारी-कर्मचारी भाग ले रहे हैं। इसका उद्देश्य सिंहस्थ जैसे विशाल धार्मिक आयोजन के दौरान कानून-व्यवस्था, सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और यातायात प्रबंधन के लिए पुलिस बल को व्यवहारिक एवं तकनीकी दक्षता प्रदान करना है।डीआईजी श्री राकेश कुमार सिंह ने कहा कि सिंहस्थ विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है, जहां करोड़ों श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे आयोजन में पुलिस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है और प्रशिक्षण से अधिकारी-कर्मचारी अपने दायित्वों का बेहतर निर्वहन कर सकेंगे।

चौकीदार पर चाकू से हमला

चांदामेटा / परासिया :- चांदामेटा वार्ड 4 के निवासी दीपक वर्मा के चौकीदार पर चाकू से हमला होने का मामला सामने आया है । हमलावर पुलिस गिरफ्त में है । घायल खतरे से बाहर है । घटना गुरुवार सुबह 9 बजे की बताई जा रही है ।मिली जानकारी के अनुसार चांदामेटा नीचीलाइन निवासी राजेश अग्रवाल ने चांदामेटा थाने में शिकायत दर्ज कराई है , कि वह व्यवसायी दीपक वर्मा के घर की चौकीदारी करता है । गुरुवार सुबह करीब 9 बजे जब वह गुटखा लेने एक पान की दुकान पर गया , तब वहां बढ़िया लाइन निवासी शनि कठौते आया और पीछे से उसकी पीठ पर चाकू से वार कर भाग गया । मौजूद लोग घायल को अस्पताल लेकर पहुंचे । उसकी पीठ पर गहरा घाव लगा है । पुलिस ने पीड़ति की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ बी एन एस की धारा 296 , 218 और 351 के तहत मामला दर्ज किया है । **चर्चाएं गर्म :-** लोग बता रहे हैं , कि हाल ही में दीपक वर्मा पर एक संगीन मामले में अपराध दर्ज हुआ है । इसके बाद इस घटना से कई तरह की चर्चाएं होने लगी है ।

पेट्रोल टैंकर से टकराया युवक, मौत

न्यूटन / परासिया :- न्यूटन वार्ड 3 मायावाड़ी जोड़ पर एक युवक पेट्रोल टैंकर से टकरा गया । जिसमें इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई । पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है । घटना गुरुवार सुबह 9 और 10 बजे के बीच की है ।मिली जानकारी के अनुसार मायावाड़ी निवासी दुर्गेश मर्सकोले न्यूटन से तामिया मुख्य मार्ग पर मायावाड़ी के समीप तामिया की ओर जा रहे पेट्रोल टैंकर के कंडक्टर साइड वाले हिस्से से टकरा गया । घटना स्थल के आसपास मौजूद लोगों ने घायल को उठाया और एक तरफ सुलाया । वहीं टैंकर चालक टैंकर को लेकर पुलिस चौकी चला गया । चौकी प्रभारी अपने स्टॉफ के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और अचेत अवस्था में पड़े घायल को पुलिस गाड़ी में अस्पताल पहुंचाया । जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई । टैंकर चालक संतराम ने बताया , कि वह चौरई से टैंकर लेकर तामिया की ओर जा रहा था । मृतक को उसने डिवाइडर पर खड़ा देखा था । मृतक अचानक टैंकर के आगे कूद गया ।

महाराष्ट्र-एमपी में आतंक मचाने वाला चोर गिरफ्तार

पुलिस ने 100 से ज्यादा बाइक चोरियों के आरोपी को नागपुर से पकड़ाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ पांढुर्णा

मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की पुलिस के लिए सिरदर्द बन चुका और चोरी के मामलों में सेंचुरी मारनेवाला शातिर खिलाड़ी आखिरकार पांढुर्णा पुलिस के हत्थे चढ़ ही गया। पुलिस ने अमरावती रोड से हुई एक बाइक चोरी के मामले को सुलझाते हुए एक ऐसे सुपर चोर को गिरफ्तार किया है, जिसके सिर पर 100 से अधिक बाइक चोरियों का संगीन आरोप है।

पकड़ा गया आरोपी राहुल, पिता सुखदेव ठाकरे, निवासी सातनेर, थाना आठनेर, जिला बैतुल) आयु 45 वर्तमान में नागपुर में छिपकर रह रहा था, जिसे पांढुर्णा पुलिस ने भारी मशक्कत के बाद नागपुर से दबोचा। पुलिस ने आरोपी से पांढुर्णा क्षेत्र से चुराई पल्सर, शाईन और स्पलेंडर बाइकें जब्त की है। नागपुर में आरोपी के खिलाफ आरोपी के खिलाफ अनेक मामले पहले से ही

सीसीटीवी फुटेज ने बिगाड़ा शातिर चोर का खेल

जानकारी के अनुसार, कुछ दिनों पूर्व पांढुर्णा के अमरावती रोड से एक व्यक्ति की बाइक चोरी हुई थी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मौका-ए-वारदात और उसके आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। फुटेज की बारीकी से जांच करने पर पुलिस को संदिग्ध की पहचान करने में सफलता मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने जाल बिछाकर आरोपी को नागपुर से धर दबोचा और उसके कब्जे से चोरी की गई बाइक भी बरामद कर ली है।

महाराष्ट्र में 98 और पांढुर्णा में 4 वारदातें

पुलिस की शुरुआती जांच में जो खुलासा हुआ, उसने अधिकारियों को भी चौंका दिया। पकड़ा गया आरोपी राहुल ठाकरे कोई छोटा-मोटा चोर नहीं, बल्कि अंतरराज्यीय वाहन चोर है। इसके खिलाफ अकेले महाराष्ट्र में 98 और पांढुर्णा में 4 वाहन चोरी के मामले दर्ज हैं। आरोपी के चोरी करने के रिकॉर्ड को देखकर साफ है कि वह अपराध की दुनिया का मंझा हुआ खिलाड़ी है, जो बड़े शातिर तरीके से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहा था। चोरी की अधिकांश बाइकें आरोपी बैतुल लाता था जहां वहां अपने छोटे भाई दिनेश ठाकरे की सहायता से ग्रामीण क्षेत्र में सस्ते दामों में बेचता था।

बड़ा खुलासा होने की उम्मीद

पांढुर्णा पुलिस के अनुसार, इस शातिर आरोपी की गिरफ्तारी से क्षेत्र और आसपास के जिलों में हुई कई अन्य वाहन चोरियों का खुलासा होने की पूरी उम्मीद है। पुलिस को अंदेशा है कि इस रैकेट में उसके कुछ अन्य साथी भी शामिल हो सकते हैं। फिलहाल पुलिस आरोपी से कड़ाई से पूछताछ कर रही है, जिससे कई और चौंकाने वाले मामले सामने आ सकते हैं।

बस स्टैंड पर फिल्मी ड्रामा, बैंक से पैसे निकालकर जा रहे रिटायर्ड कर्मचारी से लूट की कोशिश, लोगों ने धरदबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ पांढुर्णा

शहर के सबसे व्यस्ततम इलाके बस स्टैंड परिसर में आज दोपहर 12 बजे उस समय हड़कंप मच गया, जब फिल्मी अंदाज में बाइक सवार दो उचक्कों ने एक रिटायर्ड कर्मचारी को अपना निशाना बनाने की कोशिश की। हालांकि, पीड़ति की सूझबूझ और आम जनता की बहादुरी के आगे बदमाशों के हौसले पस्त हो गए।

लोगों ने भागते हुए एक आरोपी को मौके पर ही दबोच लिया, जबकि उसका दूसरा साथी भागने में सफल रहा। सूचना मिलते ही पांढुर्णा पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पकड़े गए आरोपी को अपनी हिरासत में ले लिया है।

महाराष्ट्र बैंक से ही पीछे लग गए थे बदमाश

मिली जानकारी के अनुसार, सेवानिवृत्त कर्मचारी अशोक दाढे आज दोपहर लगभग 12 बजे स्थानीय बैंक ऑफ महाराष्ट्र पहुंचे थे। उन्होंने अपनी राशि निकाली और उसे एक बैग में सुरक्षित रखकर अपनी बाइक की डिक्की में डाल दिया। दाढे जैसे ही बैंक से निकले, घात लगाकर बैठे पल्सर बाइक सवार दो शातिर युवक उनके पीछे लग गए। जैसे ही पीड़ति अशोक दाढे बस स्टैंड परिसर के पास पहुंचे, मौका पाकर पल्सर सवार युवकों ने उनकी बाइक को रोका और डिक्की खोलकर रुपयों से भरा बैग लूटने का प्रयास किया। बदमाशों की इस हरकत को देखकर दाढे ने मौके पर ही चोर-चोर का शोर मचाना शुरू कर दिया।

जनता का सिंघम अवतार, भागते चोर को घेरा

व्यस्त इलाके में दिनदहाड़े शोर सुनते ही आस-पास के दुकानदार और राहगीर तुरंत एक्शन में आ गए। भीड़ को अपनी तरफ आते देख दोनों बदमाशों के हाथ-पांव फूल गए। हड़बड़ाहट में भाग रहे युवकों को जनता ने चारों तरफ से घेर लिया और एक आरोपी को मौके पर ही धर दबोचा। इसी बीच दूसरा आरोपी भीड़ का फायदा उठाकर रफूचक्कर होने में कामयाब रहा। घटना की लाइव सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और जनता की गिरफ्त में आए आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले आई। पुलिस अब पकड़े गए आरोपी से बेहद कड़ाई से पूछताछ कर रही है ताकि फरार साथी का सुराग लगाया जा सके। इसके साथ ही, पुलिस बस स्टैंड और बैंक के आस-पास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है।

ठेकेदार की मनमानी पर विधायक चौरे ने बोला धावा, किसानों को वापस दिलाई लूटी गई रकम

बैल बाजार में चल रहा 'अवैध वसूली' का खुला खेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

प्रशासन और ग्राम पंचायत सवरर्णी के जनप्रतिनिधियों के नाक के नीचे चल रहे भ्रष्टाचार का एक और वीभत्स चेहरा सामने आया है। मोहगांव हवेली और सवरनी के बैल बाजार में मुलताई के एक ठेकेदार ने किसानों को अपनी लूट का जरिया बना रखा है।

रसीद से अधिक अवैध वसूली का यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा, लेकिन गुरुवार को विधायक विजय चौरे ने खुद मौके पर पहुंचकर इस गिरोह की हेकड़ी निकाल दी है। बेल बाजार में किसानों से निर्धारित शुल्क के अलावा अतिरिक्त वसूली की

शिकायतें नई नहीं हैं। इससे पहले भी आंदोलन किए गए है। प्रशासन से गुहार लगाई और प्रभारी एसडीएम प्रियंक मिश्रा ने खुद मौके पर पहुंचकर निर्देश दिए। लेकिन, सवाल यह उठता है कि क्या प्रशासन का डर खत्म हो चुका है? एसडीएम के निर्देशों को सरेआम ठेंगा दिखाकर ठेकेदार आज भी किसानों की जेबें खाली करने में जुटा है। गुरुवार को जब विधायक विजय चौरे को सूचना मिली कि बेल बाजार ठेकेदार फिर से किसानों को लूट रहा है, तो वे तुरंत सवरनी बैल बाजार पहुंचे। विधायक के तेवर देख ठेकेदार के होश फाख्ता हो गए। विधायक ने मौके पर ही किसानों से अवैध रूप से वसूली गई 200-200 रुपये की राशि वापस करवाई। विधायक विजय चौरे ने चेतावनी देते हुए कहा, ₹ठेकेदार की मनमानी किसी भी कीमत पर नहीं चलने दी जाएगी। गरीब किसानों का शोषण और गौ-तस्करी को बढ़ावा देना अब और सहन नहीं होगा।

पिपला शराब दुकान हटाने चल रहा 7 दिनों से आंदोलन

सौंसर। पिपलानारायणवार में संचालित शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर चल रहा आंदोलन गुरुवार को जारी रहा।पिछले 7 दिनों से जारी आंदोलन के बाद, बुधवार को आंदोलनकारियों ने पांढुर्णा-सौसर मुख्य मार्ग पर बैठकर करीब 5 घंटे तक चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा सरकार, शराब ठेकेदार और स्थानीय प्रशासन को जमकर घेरा। दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक चले इस विशाल विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और स्थानीय जन प्रतिनिधियों ने मोर्चा संभाला। विधायक विजय चौरे ने सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा, ₹भाजपा के शासन में गली-गली शराब और अवैध धंधों का अंबार लगा है। आम जनता अन्याय का शिकार हो रही है, लेकिन कांग्रेस का कार्यकर्ता झुकने वाला नहीं है। आंदोलन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओकाते, पांढुर्णा अध्यक्ष जतन उइके, पिपला नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता चौधरी, अशोक चौधरी,डॉ. राजेंद्र यमदे, कैलाश चौधरी, युवराज चीचकार अशोक चौधरी, श्रीमती प्रतिभा चौरे, किरण चौधरी,विट्ठलराव गायकवाड, युवा कांग्रेस अध्यक्ष प्रशांत धुर्वे मौजूद रहे।

2 दिन भी जारी रही पीबीएम कंपनी में कामगारों की हड़ताल

यूनियन नेताओं, प्रबंधन की मिलीभगत का 'काला सच' आया सामने, कामगारों ने एसडीएम से मिलकर लगाई न्याय की गुहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

औद्योगिक क्षेत्र बोरगांव स्थित पीबीएम कंपनी ओर यूनियनों की कार्य प्रणाली के खिलाफ मेहनतकश कामगारों का आक्रोश भड़क रहा है। कंपनी प्रबंधन की मिलीभगत ओर तथाकथित यूनियन नेताओं की दलाली से तंग आकर करीब 350 से 400 कामगार 2 जून की रात से ही अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। गुरुवार को आंदोलन का दूसरा दिन रहा,जिसमें कामगारों ने कंपनी का काम बंद रखकर अपनी एकता का परिचय देते हुए प्रशासन के दरवाजे खटखटाए।

कामगारों का आरोप है कि जिन 2 यूनियनों पर उन्हें हक दिलाने की जिम्मेदारी थी, उन्होंने ही प्रबंधन से साठ-गांठ कर कामगारों की पीठ में छुरा घोंपा है। पूर्व राज्य मंत्री नाना मोहोड़ की उपस्थिति में संपन्न हुई प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक में कामगार प्रदीप कडू, नरेंद्र रंगारे, संजय पाटिल, श्रावण सोनटक्के और राजेंद्र कलसकर भोजराज बल्कि,बंडू देशभरतार ने स्पष्ट कहा कि यूनियन पदाधिकारियों ने अपने निजी लाभ के लिए अंधेरे में एग्रीमेंट कर लिया है।

कामगारों का कहना है हम खून-पसीना बहाकर कंपनी में उत्पादन खड़ा करते हैं, और बदले में हमें मिलता है विश्वासघात। जब भी हमारे अधिकारों या सुरक्षा की बात आती है, तो ये यूनियन नेता गायब हो जाते हैं या फिर 'प्रबंधन की भाषा' बोलने लगते हैं।गुरुवार को कामगारों ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर अपनी पीड़ा रखी। प्रशासन के सामने उन्होंने पांच सूत्रीय मांगें पेश की हैं, जो प्रबंधन और यूनियन के गठजोड़ की पोल खोलती हैं।

कामगारों ने बताया कि न्यायालय के समक्ष पूर्व में हुई चर्चा के अनुसार 3250 रुपये या 3750 रुपये की राशि में से कोई एक एग्रीमेंट तत्काल लागू किया जाए। 22 दिन का एग्रीमेंट अनिवार्य रूप से किया जाए। एग्रीमेंट की राशि एकमुश्त (एक साथ) प्रदान की जाए। पिछले 5 वर्षों से बकाया पीएफ (PF) राशि को जोड़कर दिया जाए।अंधेरे में किए गए एग्रीमेंट को खारिज कर कामगारों के हितों को प्राथमिकता दी जाए।

कामगारों की प्रशासन पर टिकीं नजरें

कामगारों के कड़े रुख को देखते हुए एसडीएम ने प्रबंधन से चर्चा कर समस्या का समाधान निकालने का आश्वासन दिया है। लेकिन कामगारों का आक्रोश इस बात की चेतावनी है कि यदि प्रशासन ने प्रबंधन और यूनियन की दलाली पर लगाम नहीं लगाई, तो यह आंदोलन और अधिक उग्र हो सकता है।सवाल यह है कि क्या प्रबंधन और यूनियन की यह 'जुगलबंदी' कामगारों के हक को इसी तरह निगलती रहेगी। फिलहाल पीबीएम कंपनी के दोनों यूनियनों के खिलाफ कामगारों का दिन-ब-दिन आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

स्वच्छता के नाम पर फोटोग्राफी, ज़मीन पर पसरी गंदगी

दमुआ। दमुआ नगर में स्वच्छता व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। नगर के विभिन्न वार्डों में चारों ओर फैली गंदगी, जाम नालियां, कचरे के ढेर और बदहाल सार्वजनिक शौचालयों के बीच रिद्धि सिद्धि विनायक वेस्ट मैनेजमेंट कम्पनी केवल फोटोग्राफी और दिखावटी गतिविधियों में व्यस्त दिखाई दे रही है।स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि नगरपालिका की रैंकिंग सुधारने और कागजों में स्वच्छता का रिकॉर्ड बेहतर दिखाने के लिए शहर के अलग-अलग स्थानों पर साफ-सफाई का दिखावा कर फोटो सेशन किए जा रहे हैं, जबकि हकीकत में अधिकांश वार्डों की हालत बेहद खराब बनी हुई है। कई इलाकों में नालियां महीनों से साफ नहीं हुई हैं, जिससे बदबू और मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है।नगरवासियों का कहना है कि सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति अत्यंत दयनीय है। कहीं पानी की व्यवस्था नहीं है तो कहीं नियमित सफाई नहीं होने से लोग उपयोग करने से भी कतरा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कचरा संग्रहण व्यवस्था भी पूरी तरह चरमराई हुई दिखाई दे रही है।चर्चाओं का बाजार इस बात को लेकर भी गर्म है कि स्वच्छता कार्यों के नाम पर लाखों रुपये के बिल तो आसानी से पास हो जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर काम नजर नहीं आता। लोगों ने आरोप लगाया कि इससे पहले डिवाइन वेस्ट मैनेजमेंट कम्पनी के कार्यकाल में भी कथित फर्जीवाड़े और बिना काम के बिल निकालने के मामले सामने आए थे। उस समय भी नगर में सफाई व्यवस्था बदहाल रही, लेकिन भुगतान में कोई रुकावट नहीं आई।स्थानीय लोगों का आरोप है कि मोटे कमीशन और मिलीभगत के चलते इन कंपनियों के बिल आसानी से निकल जाते हैं, जबकि आम जनता गंदगी और अव्यवस्था से परेशान होती रहती है। नगरवासियों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित कंपनियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते स्वच्छता व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो आने वाले समय में बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। लोगों ने प्रशासन और जिला अधिकारियों से दमुआ की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण कर ठोस कार्रवाई करने की अपील की है।

आईआईटी जेईई एडवांस्ड 2026 में सौंसर के विद्यार्थियों का परचम

सौंसर। हाल ही में घोषित आईआईटी जेईई एडवांस्ड 2026 के परीक्षा परिणामों में सौसर के 'मिडास ताज कोचिंग' सौसर के विद्यार्थियों ने अपनी मेधा का लोहा मनवाते हुए शानदार सफलता अर्जित की है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर स्थानीय समाज में हर्ष का माहौल है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर सुजाता महिला मंडल सौसर, बौद्ध नवयुवक-युवती परिचय सम्मेलन समिति, भारतीय बौद्ध महासभा और तथागत धम्मा प्रकल्प समिति जाखिवाड़ा के पदाधिकारियों एवं समाज बंधुओं ने संयुक्त रूप से एक सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया। सभी पदाधिकारी व सदस्य परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्रा ऐश्वर्या वाहने, सलोनी वाहने और यश ठवरे के निवास स्थान पर पहुँचे।इस अवसर पर भारतीय बौद्ध महासभा जिलाध्यक्ष डॉ. अशोक भगत, मुरलीधर कामले, प्रमोद नगरारे एवं बौद्ध युवक-युवती परिचय सम्मेलन समिति अध्यक्ष मुकेश बागड़े ने विद्यार्थियों को पुष्पमाला पहनाकर व मिठाई खिलाकर सम्मानित किया।अपने संबोधन में अतिथियों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की और उन्हें डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा दिए गए मूल मंत्र शिक्षित बनो, संघर्ष करो और संगठित रहो का अनुसरण करते हुए जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इन बच्चों की सफलता न केवल उनके परिवारों के लिए, बल्कि पूरे सौसर क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। इसलिए जल्द ही भव्य समारोह का आयोजन कर सभी बच्चों का स्वागत सत्कार किया जाएगा। सम्मान समारोह के दौरान सुजाता महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती चंद्रप्रभाबाई ठवरे, अलका बागड़े, प्रतिभा गजभिये, माया बागड़े, शिल्पा वाहने सहित सिद्धार्थ सोमकुँवर, कैलास गजभिये, मिलिंद बसोड़, विजय नागदवने और सतीश बंसोड़ सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित थे।

व्यक्तिगत हित नहीं साध रहे, तो पंच कर रहा शिकायत, सरपंच ने शिकायतों को बताया निराधार

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

ग्राम पंचायत इकलेहरा के एक पंच ने सरपंच के खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर एस डी एम से शिकायत की है । जिसे सरपंच ने निराधार बताया है , साथ ही कहा है , कि पंच के व्यक्तिगत हित नहीं सध रहे हैं , इसलिए निराधार शिकायतें की जा रही है । सरपंच का कहना है , कि वे चाहतीं है , कि शिकायत में जो आरोप लगाए गए हैं , उनकी जांच होनी चाहिए , ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए ।गुरुवार को ग्राम पंचायत इकलेहरा की सरपंच साधना दास ने प्रेसवार्ता बुलाई । जिसमें उन्होंने वार्ड 5 के पंच राधेश्याम साहू के द्वारा एस डी एम को की गई शिकायत में लगाए गए आरोपों को निराधार बताया है ।

सरपंच ने बताया , कि पंच ग्राम पंचायत में ही सुपरवाइजर है । उसकी ही निगरानी में पंचायत में जारी विभिन्न कार्य हो रहे हैं , लेकिन वह अपने कुछ निजी हित साधना चाहता है , जिसके लिए उसे रोका गया तो वह शिकायत करने पर अमादा हो गया । सरपंच ने बताया कि पंच खुद बार - बार अनावश्यक पैसों की मांग करता है । निजी उपयोग के लिए पंचायत की सामग्री मांगता है । इसके अलावा सरपंच ने प्रेसवार्ता के दौरान एक तथाकथित पत्रकार के द्वारा भी पैसे मांगे जाने के आरोप लगाए हैं ।

प्रेसवार्ता में मौजूद जनपद सदस्य विजय साहू ने भी सरपंच के नेतृत्व में ग्राम पंचायत में हो रहे विकास कार्यों की सराहना की है । वहीं मौजूद पंचों ने भी पंचायत में बिना भेदभाव के कार्य होने की बात कही । सरपंच साधना दास ने कहा की पंच राधेश्याम के द्वारा की गई शिकायत की निष्पक्ष जांच हो तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा ।

प्रेसवार्ता में जनपद सदस्य विजय साहू , उप सरपंच फखरुल सिद्दीकी , पंच महेंद्र भार्गव (वार्ड 1) , कपिल यादव (वार्ड 3) , रेखा डेहरिया (वार्ड 8) , ममता सिसोदिया (वार्ड 9) , शाहीन बानो (वार्ड 12) , सुभाष यादव (वार्ड 13) , एजाज खान (वार्ड 18) , स्थानीय निवासी राजेंद्र पटनकर , राजेश डेहरिया , रशीद खान और राजा वर्मा मौजूद रहे ।

गोपालन, गौ कृपा अमृत और जैविक खेती ने बदली तस्वीर

रानीकामथ के युवा किसान वेदांत हिवसे बने प्रेरणा स्त्रोत

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

छिंदवाड़ा जिले के ग्राम रानीकामथ के युवा किसान वेदांत हिवसे ने जैविक खेती और गोपालन के समन्वय से धनिया उत्पादन में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर क्षेत्र के किसानों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। मात्र 40 डिसमिल भूमि पर की गई धनिया की खेती ने यह साबित कर दिया है कि वैज्ञानिक तरीके से अपनाई गई जैविक खेती कम लागत में बेहतर उत्पादन दे सकती है। वेदांत ने 30 दिन में तैयार होने वाली धनिया की प्रजाति का चयन किया और लगभग 7 किलो बीज की बुवाई की। खेत की तैयारी के समय गोबर से निर्मित जैविक खाद पूरे खेत में डाली गई। इसके बाद फसल की बढ़वार और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए गौ कृपा अमृत का नियमित उपयोग किया गया।

विशेष बात यह रही कि गर्मी के मौसम में फसल को सुरक्षित रखने के लिए हर दो-तीन दिन में रात 9 से 11 बजे के बीच गौ कृपा अमृत का छिड़काव किया जाता था, जब वातावरण अपेक्षाकृत ठंडा रहता था। पूरी फसल अवधि में 10 से 15 बार इसका छिड़काव किया गया। यह गौ कृपा अमृत उन्हें बंशीगिर गौशाला अहमदाबाद से प्राप्त हुआ था। वेदांत बताते हैं कि गौ कृपा अमृत पौधों के लिए किसी प्राकृतिक टॉनिक से कम नहीं है। इसमें अनेक प्रकार के लाभकारी सूक्ष्म जीवाणु और मित्र बैक्टीरिया पाए जाते हैं, जो जैविक खाद के अपघटन (डीकंपोजिशन) को तेज करते हैं तथा पौधों को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराते हैं। इससे पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, उनकी वृद्धि बेहतर होती है और वे गर्मी तथा प्रतिकूल परिस्थितियों का भी मजबूती से सामना कर पाते हैं। पिछले वर्षों में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग की तुलना में इस बार जैविक खेती के परिणाम कहीं अधिक बेहतर रहे। धनिया की पत्तियों का रंग गहरा हरा, चमकदार और आकर्षक था। पौधे स्वस्थ रहे तथा तेज गर्मी का भी उन पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा। फसल की वृद्धि तेज हुई और पौधे ऊंचाई के साथ-साथ चौड़ाई में भी अच्छी तरह विकसित हुए। वेदांत के अनुसार जहां सामान्य रूप से रासायनिक खाद के उपयोग से लगभग 80 से 85 किलो उत्पादन प्राप्त होता है, वहीं गौ कृपा अमृत और जैविक खाद के प्रयोग से उत्पादन बढ़कर लगभग 125 किलो तक पहुंच गया। अर्थात प्रति इकाई क्षेत्र में 40 से 45 किलो अतिरिक्त उत्पादन प्राप्त हुआ। यही नहीं, जैविक पद्धति से तैयार धनिया का वजन, गुणवत्ता और बाजार मूल्य भी बेहतर रहा।वेदांत रावत के पास केवल दो गायें हैं, लेकिन जैविक खाद बनाने, उसका सही उपयोग करने और नई तकनीकों को अपनाने की लगन ने उन्हें यह सफलता दिलाई है। उनकी यह पहल साबित करती है कि गोपालन और जैविक खेती का मेल किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। रानीकामथ के इस युवा किसान की सफलता निश्चित रूप से अन्य किसानों को भी प्राकृतिक और टिकाऊ खेती अपनाने के लिए प्रेरित करेगी।

संविधान के खिलाफ आदेश करने वालों पर कठोर कार्यवाही की मांग

छिंदवाड़ा। सामाजिक कार्यकर्ता भगवानदीन साहू के नेतृत्व में बहुत से धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों ने जिला कलेक्टर के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति ,मुख्य न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट ,विधि मंत्रालय के नाम ज्ञापन देकर सविधान के खिलाफ आदेश करने वाले पर कड़ी कार्यवाही की मांग की ज्ञापन में बताया कि -सनातन संस्कृति के रक्षक परम पूज्य संत श्री आशाराम जी बापू के खिलाफ 27 मई 2026 को जोधपुर उच्च न्यायालय का जो फैसला आया हैरान करने वाला है । जो 100 करोड़ हिंदुओ के मुंह पर तमाचा है । सनातन संस्कृति पर कुठराघात है । सोशल मीडिया का दौर है किसी से कोई बात छुपती नहीं है । आम जनमानस के दिमाग में न्यायपालिका को लेकर कई सवाल उठ रहें हैं । आशाराम जी बापू पर आरोप था कि उन्होंने उनके गुरुकुल की छात्रा से योन उत्पीड़न किया ! पॉक्सो एक्ट में प्रकरण दर्ज हुआ और गैंग रैप की कई धाराएं लगाई गई । 4 अन्य लोगों को सहआरोपी बनाया गया । जोधपुर पुलिस के अनुसार गुरुकुल के संचालक शरद पोटाला और छात्रावास वार्डन शिल्पी गुप्ता ने एक छात्रा को सेवादार शिवा और प्रकाश के माध्यम से बापूजी के पास भेजा । वहां उक्त छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न हुआ । लगभग 5 वर्ष जोधपुर सेशन कोर्ट में सुनवाई हुई । जहां कोर्ट ने आदेश किया कि शिवा और प्रकाश जोधपुर में थे ही नहीं उन्हें बरी कर दिया गया और बापू जी के खिलाफ कोई ठोस गवाह और सबूत भी नही है ।

24 घंटे बाद मिला सावरी घाट में डूबे युवक का शव एसडीआरएफ-गोताखोरों की भारी मशक्कत

प्रवीण ठाकरे 3 जून को नहाने के दौरान गहरे पानी में डूबा था; पंचनामा कर भेजा पोस्टमार्टम, क्षेत्र में शोक की लहर

हरिभूमि न्यूज लांजी ।

थाना लांजी क्षेत्र के ग्राम सावरी घाट में 3 जून को डूबे युवक का शव लगभग 24 घंटे बाद गुरुवार को बरामद कर लिया गया। एसडीआरएफ टीम और स्थानीय गोताखोरों के लगातार खोज अभियान के बाद शव पानी से बाहर निकाला गया। मोहझरी निवासी प्रवीण उर्फ भूरू ठाकरे (22), पिता बसंत ठाकरे, 3 जून को दोस्तों के साथ सावरी घाट में नहाने गया था। नहाने के दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। साथियों द्वारा बचाने का प्रयास किया गया, लेकिन सफलता नहीं मिली। घटना की सूचना तत्काल पुलिस और प्रशासन को दी गई।

सूचना मिलते ही थाना लांजी पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और तलाश शुरू की। देर शाम तक चले रेस्क्यू अभियान में पता न चलने पर बुधवार को पुनः खोज अभियान चलाया गया, जिसमें ग्राम चिखलामाली के स्थानीय गोताखोरों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बचाव अभियान के दौरान एसडीएम लांजी, तहसीलदार, ओंकार बाबा राहंगडाले, ग्राम सावरी के सरपंच और जनपद पंचायत लांजी के उपाध्यक्ष अजय अवसरे सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। शव मिलने के बाद पुलिस ने पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। युवक की असामयिक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

कटंगी परियोजना में 1 से 15 जून तक आंगनबाड़ी केंद्र बंद

हितग्राहियों को घर पहुंचा रेडी टू ईट का पैकेट

हरिभूमि न्यूज कटंगी। शासन के निर्देशों के पालन में बालाघाट जिले की कटंगी परियोजना के अंतर्गत संचालित सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में 1 जून से 15 जून तक बच्चों के लिए अवकाश घोषित किया गया है। ग्रीष्मकालीन अवकाश के कारण केंद्र बंद रहने के दौरान 3 से 6 वर्ष तक के हितग्राही बच्चों, गर्भवती और धात्री माताओं को पोषण आहार की निरंतरता बनाए रखने के लिए रेडी टू ईट का पैकेट घर-घर वितरित किया गया। मध्य प्रदेश शासन, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार गर्मी की तीव्रता और बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए प्रदेश भर के आंगनबाड़ी केंद्रों में 1 जून से 15 जून तक अवकाश घोषित किया गया है। कटंगी परियोजना अधिकारी पुष्पेन्द्र रानाड़े ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन का स्पष्ट निर्देश था कि अवकाश अवधि में भी हितग्राहियों को मिलने वाला पोषण आहार बाधित न हो। इसी निर्देश के परिपालन में परियोजना की सभी आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से रेडी टू ईट का वितरण कार्य युद्ध स्तर पर कराया गया। परियोजना अधिकारी ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को मिलने वाला गरम पका हुआ भोजन गर्मी के अवकाश के कारण बंद रहेगा, लेकिन पोषण की कड़ी टूटे नहीं इसके लिए शासन द्वारा रेडी टू ईट वितरण की व्यवस्था की गई है। यह पैकेट पोषण विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया गया है जिसमें बच्चों की दैनिक पोषण आवश्यकता को पूरा करने वाले सभी तत्व मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक हितग्राही को 15 दिन की पूरी खुराक एक साथ दी गई है। गर्भवती और धात्री माताओं को भी अलग से पैकेट वितरित किए गए हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर पैकेट दिए और यह भी बताया कि इसे कैसे बनाकर बच्चों को खिलाना है। साथ ही साफ-सफाई और पानी उबालकर उपयोग करने की सलाह भी दी गई। अवकाश के बावजूद कटंगी परियोजना की सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता फील्ड में सक्रिय रहीं। उनका कहना है कि गर्मी ज्यादा है लेकिन बच्चों का पोषण रुकना नहीं चाहिए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने बताया कि सभी को रेडी टू ईट दे दिया गया है। साथ ही बच्चों का वजन, ऊंचाई और स्वास्थ्य की जानकारी भी घर जाकर ली गई। जिन बच्चों का वजन कम था उनके माता-पिता को पोषण सलाह भी दी गई। परियोजना अधिकारी ने बताया कि वितरण के बाद रैंडम चेकिंग भी कराई जा रही है। पर्यवेक्षक गांवों में जाकर देख रहे हैं कि पैकेट खुला है या नहीं, बच्चों को खिलाया जा रहा है या नहीं।

पीयूष पटले एमबीबीएस की उपाधि प्राप्त कर बने डॉक्टर बढ़ाया बालघाट जिले का गौरव

हरिभूमि न्यूज उकवा। बी एम सी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सागर में आयोजित दीक्षान्त समारोह में बालाघाट जिले की बैहर तहसील के ग्राम पोंडी (उकवा) के प्रतिभाशाली छात्र पीयूष पटले को ₹एमबीबीएस₹ की उपाधि प्रदान की गई।

डॉ. पीयूष पटले ग्राम पोंडी (उकवा) के निवासी श्री अशोक पटले जो वर्तमान में भिलाई इस्पात संयंत्र की राजहरा मैकेनाइज्ड माइंस में असिस्टेंट मैनेजर (माइनिंग) के पद पर हैं के बड़े सुपुत्र हैं एवं माता किरण पटले गृहणी हैं। ज्ञात हो डॉक्टर पीयूष पटले के छोटे भाई आयुष पटले भी जीआरएमसी मेडिकल कॉलेज ग्वालियर से एमबीबीएस की परीक्षा पास कर इंटरशिप कर रहे हैं।

दीक्षान्त त समारोह में महाविद्यालय प्रशासन एवं अतिथियों ने उनकी इस उपलब्धि पर उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामनाओ के साथ सराहना की। डॉक्टर पीयूष पटले की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर उनके परिवार ग्राम पोंडी (उकवा) बालाघाट में उल्लास व गर्व का वातावरण है। डॉक्टर पीयूष पटले ने ग्रामीण परिवेश के होने के बाद भी अपनी प्रतिभा,अथक परिश्रम, लगन व समर्पण के बल पर चिकित्सा शिक्षा सफलतापूर्वक पूर्ण कर यह गौरव प्राप्त किया है। डॉक्टर पीयूष पटले द्वारा डॉक्टर की उपाधि प्राप्त करने पर परिवार जनों, समाज जनों व ग्रामीणों ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की है।

पौनी, परसोड़ी और कालापत्थर की नदियों पर माफियाओं का कब्जा, दिन-रात छलनी हो रही नदियों की छाती

रेत माफियाओं के आगे बेबस प्रशासन!

हरिभूमि न्यूज लांजी। जिले में अवैध रेत उत्खनन को लेकर प्रशासन भले ही सख्ती के बड़े-बड़े दावे कर रहा हो, लेकिन किरनापुर तहसील एवं लांजी थाना क्षेत्र की हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। पौनी नदी, परसोडी नदी, परसाटोला घाट और बडग़ांव कालापत्थर की सोन नदी क्षेत्र में कथित रूप से रेत माफियाओं का ऐसा साम्राज्य कायम हो चुका है, जहां कानून और प्रशासन की मौजूदगी केवल कागजों तक सीमित नजर आती है। दिन-रात ट्रैक्टरों की आवाजाही और खुलेआम रेत का उत्खनन यह सवाल खड़ा कर रहा है कि आखिर माफियाओं को संरक्षण कौन दे रहा है?

नदियों का सीना चीर रहे माफिया, जिम्मेदार विभाग मौन: स्थानीय लोगों का आरोप है कि रेत माफिया लगातार नदियों की प्राकृतिक संरचना को नुकसान पहुंचा रहे हैं। नदी घाटों से बड़े पैमाने पर रेत निकाली जा रही है, लेकिन खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग की ओर से प्रभावी कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही। ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रशासन वास्तव में सक्रिय होता तो अवैध उत्खनन का यह खेल लंबे समय तक नहीं चल पाता। क्षेत्र में यह चर्चा भी आम हो चुकी है कि कुछ प्रभावशाली लोगों के संरक्षण के चलते रेत का यह काला कारोबार फल-फूल रहा है। यही वजह है कि कारवाई की खबरें तो सामने आती हैं, लेकिन अवैध उत्खनन का सिलसिला रुकने का नाम नहीं लेता।

माफियाओं की दबंगई, कानून को खुली चुनौती: रेत माफियाओं के हौसले इस कदर बुलंद बताए जा रहे हैं कि उन्हें प्रशासन का कोई भय नहीं रह गया है। हाल ही में जिले में एक हेड कांस्टेबल को ट्रैक्टर से कुचलने के प्रयास की घटना ने यह साबित कर दिया कि अवैध कारोबार में शामिल तत्व कानून को भी चुनौती देने से नहीं हिचक रहे। दिन-रात सड़कों पर दौड़ते ओवरलोड ट्रैक्टर न केवल शासन को राजस्व का नुकसान पहुंचा रहे हैं, बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी खतरा बनते जा रहे हैं। सवाल यह है कि जब अवैध उत्खनन की जानकारी स्थानीय स्तर पर सभी को है, तब जिम्मेदार विभागों की आंखें आखिर क्यों बंद हैं? नदी, पर्यावरण और कानून तीनों पर भारी पड़ रहे रेत माफियाओं के खिलाफ यदि जल्द कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाले समय में जिले की नदियां केवल नक्शों तक सिमटकर रह जाएंगी।

पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। बढ़ती मानव जाति और बढ़ती हुई मानव के रहने के रहने के लिए जमीन की जरुरतों एवँ वन माफियाओं द्वारा काटे जा रहे जंगलों के चलते सम्पूर्ण विश्व मे तेजी से घटते वनों की वजह से लगातार बढ़ते तापमान और तेजी से गिरते भूजल स्तर की वजह से पशु पक्षियों सहित मानव समाज पर भी इसका बेहद ही प्रतिकूल प्रभाव पड़ा हैं और अब मानव जाति लगातार घटते वनों और तेजी से बढ़ते तापमान की चपेट में आने के बाद सबक लेकर पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागृत हो रहा हैं तो वहीं सरकारें भी पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए विभिन्न योजनाएं लाने के साथ ही लोंगो को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान चला रही हैं तो वही वारासिवनी जनपद पंचायत की तत्कालीन सीईओ सुश्री दीक्षा जैन ने शहर के कुछ पर्यावरण प्रेमियों को साथ लेकर अनुकरणीय पहल करके शहर में जिले का पहला ट्री बैंक जनपद परिसर में खोला हैं जहाँ से लोग निःशुल्क पौधे लगाने ले जा भी सकते हैं और इस ट्री बैंक में जमा भी कर सकते हैं।

विदित हो कि दो वर्ष पूर्व 10 जून 024 से जनपद पंचायत भवन के परिसर में तत्कालीन जनपद सीईओ सुश्री दीक्षा जैन ने बीते 15 वर्षों से पर्यावरण के प्रति लोंगो के बीच अलख जगाकर विभिन्न संस्थाओं व खाली जगहों पर पेड़ लगाकर हरियाली फैलाने वाले एक प्रकृति प्रेमी ग्रुप के साथ मिलकर दो वर्ष पूर्व 10 जून 024 से जनपद परिसर में प्रारंभ हुए इस ट्री बैंक में करीब 11 सौ से अधिक विभिन्न प्रकार के फलदार और छायादार पेड़ रखे गए थे जहाँ से सैकड़ों लोंगो द्वारा अब तक इस बैंक से निःशुल्क पौधे ले जाकर उनका रोपण किया गया हैं इतना ही नही अनेकों लोंगो द्वारा बीते एक वर्ष में विभिन्न प्रजातियों के पौधे भी भेंट किए गए हैं ताकि विशेष दिवस को यादगार बनाने औऱ पर्यावरण के प्रति जागरूक प्रकृति प्रेमियों को पौधों के लिए कहीं भटकने की जरूरत ना पड़े।और वे लोग इस ट्री बैंक से अपने पसंद के पौधे ले जाकर उसका रोपण कर सकें।

इन प्रकृति प्रेमियों ने बताया कि 15 वर्ष पूर्व उन लोंगो द्वारा धरती पर लगातार बढ़ते तापमान कम होते जंगल की वजह से लगातार कम हो रहे जलस्तर की वजह से पानी और चारे के लिए परेशान होते मूक पशुओं की देखकर उनके मन में पर्यावरण को बेहतर बनाने की ललक जागी तब से वे लोग लगातार विभिन्न स्थानों पर पेड़ लगा रहे हैं इतना ही नही ये पर्यावरण प्रेमी जहाँ भी पेड़ लगाते हैं उनकी तब तक सेवा करते हैं जब तक कि पूर्णरूप से बड़े ना हो जाए इस ग्रुप में शामिल करीब 5 युवाओं ने निश्वार्थ भाव से बीते करीब 16 वर्षों में 19 हजार से अधिक पौधों का रोपण कर उनके पूर्ण रुप से बड़े होने तक देखभाल की हैं इसी का असर हैं कि शहर के बीटीआई स्कूल,टिहली बाई स्कूल कटंगी मार्ग स्थित मोक्षधाम , वार्ड 11 स्थित मोक्षधाम,गौशाला के पीछे स्थित चंदन नदी के तट सहित मेहंदीवाड़ा पुल के चंदन नदी के तट पर आज विभिन्न तरह के पौधे पेड़ बनकर लोंगो का ठंडी छाया के साथ ही शुद्व ताजी हवा भी उपलब्ध करवा रहे हैं।

खबर संक्षेप

श्री गणेश मंदिर में धार्मिक आयोजन संपन्न

हरिभूमि न्यूज सिवनी। पावन पुरुषोत्तम मास के शुभ अवसर पर नगर के शंकराचार्य चौक स्थित श्री गणेश मंदिर में बुधवार, 03 जून 2026 को गणेश चौथ के अवसर पर विशेष धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। श्रद्धालुओं की उपस्थिति में भगवान श्री गणेश जी का विधि-विधान से हवन-पूजन, दीपदान एवं विशेष आराधना की गई।
इस अवसर पर भगवान श्री गणेश को 56 प्रकार के व्यंजनों का महाभोग अर्पित किया गया। पूजा-अर्चना एवं महाआरती के पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद एवं महाप्रसाद का वितरण किया गया। आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान रहा और श्रद्धालुओं ने बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ धार्मिक कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। आयोजन समिति ने बताया कि पुरुषोत्तम मास के अंतर्गत विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं। आगामी 15 जून 2026 को प्रसाद वितरण के साथ इस धार्मिक आयोजन श्रृंखला का समापन किया जाएगा। मंदिर के पुजारी पंडित हरि कुमार तिवारी ने समस्त श्रद्धालु भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त करने एवं धार्मिक आयोजनों में सहभागिता निभाने की अपील की है।

अनुदानित कृषि ग्रेड यूरिया के दुरुपयोग की रोकथाम हेतु संयुक्त जांच दल गठित

हरिभूमि न्यूज सिवनी। प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर ने अनुदानित कृषि ग्रेड यूरिया के संभावित दुरुपयोग की रोकथाम एवं निगरानी के लिए जिले में संयुक्त जांच दलों का गठन किया है। म.प्र. शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, मंत्रालय भोपाल के निर्देशानुसार यह जानकारी प्राप्त हुई है कि कृषि उपयोग हेतु उपलब्ध कराए जाने वाले अनुदानित कृषि ग्रेड यूरिया का मूल्य टेक्नीकल ग्रेड यूरिया की तुलना में काफी कम है। ऐसे में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों द्वारा कृषि ग्रेड यूरिया के उपयोग की संभावना को देखते हुए औचक निरीक्षण किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार गठित संयुक्त दल में संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)/तहसीलदार, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस/थाना प्रभारी, महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र अथवा सहायक प्रबंधक तथा सहायक संचालक कृषि/अनुविभागीय कृषि अधिकारी/वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी शामिल रहेंगे। संयुक्त दल जिले की औद्योगिक इकाइयों का औचक निरीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगा। निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. भोपाल में निशुल्क प्रवेश

हरिभूमि न्यूज सिवनी। भोपाल स्थित श्रमोदय आदर्श आई.टी.आई. में वर्ष 2026 के प्रदेश के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो गई है। मध्यप्रदेश भवन एवं सनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों के लिए भारत सरकार से एनसीवीटी मान्यता प्राप्त श्रमोदय आदर्श आईटीआई भोपाल में निशुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। आईटीआई में प्रवेश की प्रदेश के लिए इच्छुक आवेदक 26 मई से 30 जून 2026 तक आवेदन कर सकते है। आवेदक चॉइस फिलिंग 01 जून से 30 जून 2026 के मध्य कर सकेंगे।
8 वी एवं 10 वी पास अभ्यर्थी संस्था में संचालित आठ ट्रेडों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक विद्यार्थी समय सीमा के भीतर अपना आवेदन कर सकते हैं, ताकि उन्हें अपनी पसंद के ट्रेड में मेरिट के आधार पर प्रवेश मिल सके। संस्था की अधिक जानकारी एवं आवेदन करने में किसी भी प्रकार की समस्या के लिए 9424454453,982947798 पर सम्पर्क कर सकते है।

कट्टा दिखाकर खड़े ट्रक से 175 लीटर डीजल चोरी

बाघराज के पास खड़े ट्रक को बनाया निशाना, वाहन मालिकों में आक्रोश; रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग

हरिभूमि न्यूज सिवनी। राष्ट्रीय राजमार्ग-44 नागपुर रोड पर मुख्यालय से महज 10 किमी , की दूरी नागपुर रोड पर डीजल चोर गिरोह के सक्रिय होने की खबर से ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों और वाहन चालकों में दहशत का माहौल है। ताजा मामला लखनवाड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम बाघराज का है, जहां मंगलवार सुबह करीब 5 बजे कथित रूप से काले रंग की स्कॉर्पियो में सवार आठ बदमाशों ने एक ट्रक चालक को कट्टा दिखाकर लगभग 175 लीटर डीजल चोरी कर लिया।
जानकारी के अनुसार वाहन क्रमांक एमएच-40-सीएम-3686 का ट्रक टायर फट जाने के कारण बाघराज के समीप सडक़ किनारे खड़ा था। वाहन मालिक मोहम्मद वसीम खान ने बताया कि बदमाश स्कॉर्पियो वाहन से पहुंचे और चालक को हथियार दिखाकर धमकाया। इसके बाद ट्रक के टैंक से करीब 175 लीटर डीजल निकालकर केनों में भर लिया और मौके से फरार हो गए।
वाहन मालिक के अनुसार स्कॉर्पियो का नंबर एमपी 20- जेटपी दिखाई दिया, जबकि शेष नंबर कपड़े से ढंका हुआ था, जिससे पूरी पहचान नहीं हो सकी।

हाईवे पर बढ़ रही वारदातों से चालक परेशान

ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि एनएच-44 पर आए दिन ट्रकों से डीजल चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं। बाघराज से कुछ दूरी पर स्थित नंदौरा में ट्रक ले-बाय होने के बावजूद वाहन चालकों को रात में वहां वाहन खड़ा न करने की सलाह दी जाती है, क्योंकि डीजल चोरी की घटनाओं का खतरा बना रहता है।

पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग

वाहन मालिकों और चालकों ने आरोप लगाया कि चोरों में पुलिस का भय नजर नहीं आता। हाईवे पर खुलेआम हथियार के बल पर वारदातें होने से किसी बड़ी घटना की आशंका बनी हुई है। क्षेत्रवासियों एवं ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों ने पुलिस प्रशासन से रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने तथा डीजल चोरी करने वाले गिरोह पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। वाहन मालिकों का कहना है कि यदि समय रहते गिरोह के सदस्यों को नहीं पकड़ा गया तो भविष्य में कोई बड़ी और गंभीर घटना घट सकती है।

कांग्रेस विधायक योगेंद्र सिंह सड़क हादसे में बाल-बाल बचे

सिवनी। जिले के लखनादौन विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक योगेंद्र सिंह (बाबा) रविवार की सुबह एक सडक़ हादसे में बाल-बाल बच गए। उनकी स्कॉर्पियो वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर धूमा थाना क्षेत्र के बंजारी स्थित हबेल गार्डन एवं हाईस्कूल के सामने अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा कितना जबरदस्त था कि वाहन में आग लग गई और देखते ही देखते पूरी स्कॉर्पियो धू-धू कर जलकर राख हो गई। हालांकि राहगीरों और ग्रामीणों की मदद समय रहते विधायक और उनके गैन मेन व चालक को वहां से निकाल दिया गया एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया ।
जबलपुर से घुरवाड़ा जा रहे थे विधायक
प्राप्त जानकारी के अनुसार विधायक योगेंद्र सिंह बाबा सुबह भोपाल से ट्रेन द्वारा जबलपुर पहुंचे थे। वहां से वे अपनी स्कॉर्पियो में सवार होकर लखनादौन विधानसभा क्षेत्र के अपने निवास स्थान घुरवाड़ा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान ह॥-44 फोरलेन पर धूमा थाना क्षेत्र के बंजारी हाईस्कूल के सामने अचानक एक गाय सडक़ पर आ गई। चालक ने पशु को बचाने का प्रयास किया, जिससे वाहन का संतुलन बिगड़ गया और स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे स्थित हाईस्कूल की बाउंड्रीवाल से जा टकराई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कूल की बाउंड्रीवॉल और गाड़ी की टक्कर इतनी तेज थी कि दुर्घटना के तुरंत बाद वाहन में आग लग गई। आग तेजी से फैल गई और कुछ ही मिनटों में पूरी स्कॉर्पियो उसकी चपेट में आ गई। वाहन से धुआं और लपटें उठती देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा।
हादसे के समय वाहन में विधायक योगेंद्र सिंह बाबा, उनका गनमैन और चालक सवार थे। दुर्घटना के तुरंत बाद राहगीरों व ग्रामीणों की मदद से तीनों वाहन से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई।

विधायक दिनेश राय मुनमुन योगेन्द्र सिंह बाबा का कुशलक्षेम जानने पहुंचे

सिवनी- गुरुवार को सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन जी ने लखनादौन विधायक योगेन्द्र सिंह बाबा के वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिलते ही उनसे मुलाकात किया और स्वास्थ्य की जानकारी लिया। आज प्रातः समय धूमा बंजारी के पास लखनादौन विधायक योगेन्द्र सिंह बाबा जी का वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया।
इस हादसे मे विधायक श्री सिंह और उनके वाहन चालक को चोंटे आईं है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही विधायक दिनेश राय मुनमुन तुरंत शासकीय सिविल अस्पताल लखनादौन पहुंचे। जहां आपने घायल विधायक श्री सिंह और उनके चालक का कुशलक्षेम जाना। इसके पश्चात श्री सिंह को आगे इलाज के लिए जबलपुर रवाना होने से पहले विधायक दिनेश राय मुनमुन जी उनके ग्राम घूरवाड़ा स्थित निवास स्थान भी पहुंचे। तथा आपने बातचीत कर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना किया।

205 क्विंटल धान से भरे वाहन पर कार्रवाई, 34 हजार से अधिक शुल्क वसूला

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

संयुक्त कलेक्टर एवं संयुक्त संचालक मंडी बोर्ड जबलपुर के निर्देशों के पालन में कृषि उपज मंडी समिति बरघाट द्वारा गठित उडऩदस्ता दल लगातार अवैध कृषि उपज व्यापार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर रहा है। मंडी सचिव एवं भारसाधक अधिकारी के मार्गदर्शन में की जा रही इन कार्रवाइयों से अवैध रूप से कृषि उपज का कारोबार करने वाले व्यापारियों में हडक़ंप की स्थिति बनी हुई है।
मंडी सूत्रों के अनुसार उडऩदस्ता दल ने पिछले कुछ दिनों में ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए तीन गोदामों का भौतिक सत्यापन एवं निरीक्षण किया, वहीं छह कृषि उपज से भरे वाहनों को पकडक़र नियमानुसार कार्रवाई की गई। इन कार्रवाइयों के माध्यम से मंडी शुल्क, निराश्रित शुल्क एवं समझौता शुल्क के रूप में कुल 1 लाख 6 हजार 945 रुपये की राशि वसूल कर मंडी समिति के खाते में जमा कराई गई है। इसी क्रम में बुधवार 3 जून 2026 को उडऩदस्ता दल ने बरघाट क्षेत्र के बोरी के पास एक वाहन को रोककर जांच की। जांच में पाया गया कि आराध्या सीड्स एग्रो, जबलपुर द्वारा बालाघाट जिले के किसानों से खरीदी गई लगभग 205 क्विंटल 15 किलोग्राम धान जबलपुर ले जाई जा रही थी। उडऩदस्ता दल प्रभारी नौबत सनोडिया के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान वाहन क्रमांक एमएच-40-डीसी-5179 को मंडी प्रांगण में खड़ा कराया गया।
मंडी सचिव, लेखपाल, लिपिकों एवं अन्य कर्मचारियों के सहयोग से जांच पूरी कर नियमानुसार पांच गुना मंडी शुल्क, निराश्रित शुल्क एवं समझौता शुल्क के रूप में 34 हजार 174 रुपये की राशि जमा कराई गई। निर्धारित शुल्क जमा होने के बाद वाहन को छोड़ दिया गया।
मंडी सचिव एवं उडऩदस्ता दल प्रभारी ने सभी अनुज्ञप्तिधारी व्यापारियों से अपील की है कि वे नियमानुसार एक प्रतिशत मंडी शुल्क एवं निर्धारित निराश्रित शुल्क जमा कर वैध रूप से कृषि उपज का व्यापार करें। साथ ही गैर-अनुज्ञप्तिधारी व्यापारियों द्वारा किए जा रहे अवैध व्यापार की जानकारी मंडी प्रशासन को उपलब्ध कराएं, ताकि मंडी की आय एवं आवक में वृद्धि हो सके।
अधिकारियों ने बताया कि उडऩदस्ता दल द्वारा अवैध कृषि उपज व्यापार पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। मंडी समिति की आय बढऩे से कर्मचारियों के वेतन, भत्तों एवं कार्यालयीन व्ययों के संचालन में भी सहायता मिलेगी।
वर्तमान में जिला नागरिक आपूर्ति निगम से अपेक्षित मंडी शुल्क एवं निराश्रित शुल्क प्राप्त नहीं होने के कारण मंडी समिति की आय प्रभावित हो रही है, जिससे वित्तीय प्रबंधन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

डीपी चतुर्वेदी महाविद्यालय एवं डीपी सी स्कूल में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधा वितरण एवं जग जन जागरूकता अभियान आज

हरिभूमि न्यूज सिवनी। डीपी चतुर्वेदी महाविद्यालय एवं डीपी सी स्कूल में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधा वितरण एवं जग जन जागरूकता अभियान स्थानीय डीपी चतुर्वेदी विज्ञान वाणिज्य कला एवं शिक्षा महाविद्यालय बाराबंकी एवं डीसी रोल मॉडल एक्सीलेंस स्कूल सिवनी के छात्र छात्रों द्वारा नगर के प्रमुख चौराहा पर विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को पौधा वितरण कार्यक्रम किया जाएगा। जिसमें फलदार एवं छायादार पेड़ों आम अमरूद जामुन मीठी नीम कड़वी नीम पीपल भाई का बरगद आदि प्रजाति के पौधे जनमानस के बीज वितरण किए जाएंगे जलवायु वितरण के कारण पिछले एक दशक से बढ़ते तापमान ने लोगों का हित में के कारण जीना मुश्किल हो गया है बढ़ते तापमान को केवल पौधारोपण एवं उनकी सतत देखरेख एवं बड़े होने तक संरक्षण से ही रोका जा सकता है अतः आप आज के दिन एक पेड़ अपने सुदूर हो चुके परिवारजनों के नाम लगाने का संकल्प लें।

मानदेय भुगतान में देरी से रोजगार सहायकों में नाराजगी, सामूहिक अवकाश की चेतावनी

जनपद पंचायत धनौरा के ग्राम रोजगार सहायकों ने लंबित मानदेय भुगतान को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ धनौरा।

सिवनी जिले की जनपद पंचायत धनौरा के ग्राम रोजगार सहायकों में लंबे समय से लंबित मानदेय भुगतान को लेकर भारी नाराजगी व्याप्त है। ग्राम रोजगार सहायक (सहायक सचिव) संघ ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर चेतावनी दी है कि यदि बकाया मानदेय का भुगतान शीघ्र नहीं किया गया तो 04 जून 2026 से सभी रोजगार सहायक सामूहिक अवकाश पर रहेंगे तथा ग्राम पंचायतों के कार्यों का बहिष्कार करेंगे।
धनौरा ग्राम रोजगार सहायक (सहायक सचिव) संघ जनपद पंचायत धनौरा द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी को दिए गए ज्ञापन में बताया गया है कि अगस्त माह के 15 रोजगार सहायकों का मानदेय भुगतान अब तक लंबित है। इसके अलावा सितंबर 2025, दिसंबर 2025, जनवरी 2026 एवं फरवरी 2026 की मनरेगा मद की राशि भी सभी रोजगार सहायकों को प्राप्त नहीं हुई है। वहीं अप्रैल एवं मई 2026 का मानदेय भी ट्रेजरी शाखा में लंबित बताया गया है। ब्लॉक अध्यक्ष राकेश पंद्रे एवंउपाध्यक्ष हरिश्चंद सल्लाम ब्लॉक सचिव अर्जुन सिंह बघेल एवं जिला उपाध्यक्ष धनराज मर्सकोले जिला मीडिया प्रभारी नरेश कुशवाहा एवं ब्लॉक के दाधिकारियों का कहना है कि समय पर मानदेय नहीं मिलने के कारण रोजगार सहायकों की आर्थिक स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। परिवार के भरण-पोषण एवं दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने में उन्हें गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार लिखित एवं मौखिक रूप से अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका है। रोजगार सहायकों ने चेतावनी दी है कि यदि 04 जून 2026 तक उनके खातों में लंबित मानदेय की राशि जमा नहीं की जाती है तो जनपद पंचायत धनौरा के सभी रोजगार सहायक सामूहिक अवकाश पर चले जाएंगे। साथ ही ग्राम पंचायतों में संचालित होने वाले विभिन्न प्रशासनिक एवं विकास कार्यों का बहिष्कार किया जाएगा।संघ ने प्रशासन से मांग की है कि रोजगार सहायकों के लंबित मानदेय का तत्काल भुगतान सुनिश्चित किया जाए, जिससे उन्हें आर्थिक संकट से राहत मिल सके और पंचायत स्तर पर संचालित कार्य प्रभावित न हों।

खाद संकट पर कांग्रेस का हमला: किसानों के साथ छल कर रही भाजपा सरकार- फिरोज खान

यूरिया-डीएपी के लिए लाइन में परेशान किसान, कई स्थानों पर विवाद और मारपीट की स्थिति

सिवनी। जिले में लगातार गहराते खाद संकट को लेकर कांग्रेस नेता फिरोज खान ने भाजपा सरकार और प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार एक ओर किसानों के हितैषी होने का दावा करती है, जबकि दूसरी ओर किसान खाद के लिए घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर हैं। कई स्थानों पर किसानों के बीच विवाद और मारपीट जैसी स्थिति बन रही है, जो प्रशासनिक विफलता को दर्शाती है। फिरोज खान ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि जिले में यूरिया और डीएपी खाद की भारी कमी बनी हुई है। किसान सुबह से देर रात तक समितियों और वितरण केंद्रों के बाहर कतारों में खड़े हैं, इसके बावजूद उन्हें खाद नहीं मिल पा रहा। कई किसानों की कूपन तिथि निकल जा रही है और उन्हें बार-बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। लगातार इंतजार और अव्यवस्था के कारण किसान बेहोश तक हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल कागजों और भाषणों में पर्याप्त खाद उपलब्ध होने का दावा कर रही है, जबकि जमीनी स्थिति पूरी तरह विपरीत है। खरीफ सीजन के महत्वपूर्ण समय में किसानों को खाद के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, जिससे खेती और उत्पादन दोनों प्रभावित हो रहे हैं। फिरोज खान ने कहा कि भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने, धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपये और गेहूं का समर्थन मूल्य 2700 रुपये देने सहित सिंचाई और खाद की पर्याप्त व्यवस्था का वादा किया था, लेकिन आज किसान खुद को ठगा महसूस कर रहा है। सरकार की कथनी और करनी में जमीन-आसमान का अंतर दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में किसान आर्थिक संकट, मानसिक तनाव और प्रशासनिक उपेक्षा का सामना कर रहा है। खाद वितरण व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है और सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान के बजाय केवल प्रचार में व्यस्त है। कांग्रेस नेता ने मांग की कि जिले में तत्काल पर्याप्त मात्रा में यूरिया और डीएपी उपलब्ध कराया जाए, वितरण केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए तथा किसानों को बिना परेशान किए पारदर्शी तरीके से खाद उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो कांग्रेस किसानों के साथ मिलकर आंदोलन करेगी।

सामाजिक संवेदना का परिचय, यादव महासभा ने शोकाकुल परिवार को दी आर्थिक सहायता

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिला यादव महासभा सिवनी द्वारा सामाजिक सरोकार एवं सहयोग की मिसाल प्रस्तुत करते हुए स्वर्गीय राजकुमार यादव के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। बुधवार रात्रि 3 जून 2026 को जिला यादव महासभा के अध्यक्ष अरुण कुमार यादव के नेतृत्व में महासभा के पदाधिकारी एवं सदस्य शोकाकुल परिवार से मिलने अभिषेक कॉलोनी, कटंगी रोड, शहीद वार्ड सिवनी पहुंचे।
इस दौरान एडवोकेट अखिलेश यादव, रामकिशोर यादव, एस.सी. यादव, दीपक यादव एवं रंजीत यादव ने स्वर्गीय राजकुमार यादव की धर्मपत्नी श्रीमती रेखा यादव एवं उनकी पुत्रियों से भेंट कर गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। महासभा की ओर से परिवार को 5,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की गई।
प्रतिनिधिमंडल ने परिवार के उपलब्ध दस्तावेजों का अवलोकन कर उन्हें शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं अन्य शासकीय सहायता का लाभ दिलाने हेतु हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। इस अवसर पर जिला यादव महासभा सिवनी ने कहा कि संगठन सदैव समाज के प्रत्येक परिवार के सुख-दुःख में सहभागी रहा है और आगे भी समाज सेवा, सहयोग एवं जनहित के कार्यों के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। महासभा के पदाधिकारियों ने स्वर्गीय राजकुमार यादव को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

दिन रात चल रहे लोडिंग वाहन, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

स्थानीय प्रशासन की उदासीनता से ब्रिटिश कालीन पुल का मार्ग हुआ बदहाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ छपारा।

जिले जीवन रेखा माने जाने वाली बैनगंगा नदी पर स्थित अंग्रेजो के समय निर्मित छपारा नगर का प्रथम पुल जिसकी सबसे ज्यादा उपयोगिता नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला चिकित्सालय पहुंच मार्ग है, जो कि इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। विदित हो कि ब्रिटिश काल में बना यह ऐतिहासिक पुल आज भी अपनी मजबूत नींव के दम पर खड़ा है, किंतु प्रशासन की उदासीनता और रख रखाव के अभाव में जर्जर हालत में हैं वहीं इसका सडक़ मार्ग पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। विडंबना यह है कि प्रशासन और संबंधित विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। ज्ञात हो कि छपारा नगर के बैनगंगा नदी के उस पार के सैकड़ों गांवों के लिए यह मार्ग सामरिक और स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जननी एक्सप्रेस और 108 एंबुलेंस इसी मार्ग से रात दिन गुजरती हैं। इसके अलावा क्षेत्रीय निवासियों और बाहर से आने वाले आगंतुकों के लिए यह सबसे सुगम मार्ग है।
वर्तमान समय में बैनगंगा नदी से निकाली जा रही सिल्ट के नाम पर सुबह से लेकर देर रात तक लोडिंग वाहन चल रहे हैं जिससे इस पुल और बचे खुचे सडक़ मार्ग की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। जिससे इस मार्ग की हालत और बदतर हो रही है यहाँ से गुजरना किसी जोखिम से कम नहीं है। ? वहीं कुछ माह पूर्व नगर के जागरूक नागरिकों ने जिला प्रशासन से इस ब्रिटिश कालीन पुल को बचाने हेतु प्रयास भी किया था कि जिसमें कहा गया था कि इस पुल से दो पहिया वाहन सहित मेडिकल सुविधा के तहत सिर्फ एम्बुलेंस वाहन बस गुजरने की अनुमति दी जाए जिससे इस ब्रिटिश कालीन पुल का जीवन और बढ़ जाए साथ आम लोगों के घूमने का एक स्थान भी बना रहता किंतु इस समय लोडिंग वाहन डम्फर, ट्रक और ट्रैक्टरों की सुबह से लेकर देर रात तक धमा चौंकड़ी चालू हैं जिस पर स्थानीय प्रशासन सहित जिम्मेदार बिल्कुल ध्यान नहीं दे रहे है। वहीं उक्त पुल से लगकर भी अन्य पुल हैं जहां से यह सभी वाहन आना जाना कर सकते है किंतु थोड़ा सा घुमाव के चक्कर में सभी लोडिंग वाहन इसी ब्रिटिश कालीन पुल से दौड़ रहे हैं जो इस पुल के लिए खतरे का सबब बन रहा है।

नगर वासियों ने उठाई आवाज

स्थानीय जागरूक नागरिकों ने स्थानीय प्रशासन नगर परिषद सहित लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि इस संकीर्ण और बहुउपयोगी मार्ग को सर्वप्रथम लोडिंग वाहनों से सुरक्षित किया जाए। साथ ही पुनः सडक़ का गुणवत्तापूर्ण पुनर्निर्माण किया जाए ताकि यह लंबे समय तक आवागमन के लिए टिक सके। इस मार्ग से भारी वाहनों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाए, लगातार देखने में आ रहा है कि इस मार्ग भारी वाहन डम्फर,ट्रक और ट्रैक्टरों ने उक्त मार्ग को जर्जर हालत में पहुंचा दिया है। क्षेत्रीय निवासियों का कहना है कि यदि जल्द ही इस मार्ग की सुध नहीं ली गई, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
एजेंसी देना है
सिवनी जिले के अंतर्गत लखनादौन, बरघाट, कहानी में हरिभूमि अखबार की एजेंसी देना है इच्छुक व्यक्ति सुरक्षा निधि के साथ संपर्क करें।
हरिभूमि कार्यालय
प्लाट नं. 66/1 इंडस्ट्रियल एरिया,रिछाई जबलपुर (म.प्र)
मोबाइल नंबर
9340637789
9479623424

अतिक्रमणकारियों पर प्रशासन सख्त, तीन दिन में हटाएं , नहीं तो प्रशासन बलपूर्वक करेगा कार्यवाही

आकाशवाणी चौक से भूरा भगत चौक, कुटुंब न्यायालय एवं एमपीईबी कार्यालय के सामने तक का अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट शहर के आकाशवाणी चौक से भूरा भगत चौक तथा भूरा भगत चौक से कुटुम्ब न्यायालय एवं एमपीईबी कार्यालय के सामने तक किए गए अतिक्रमण को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। न्यायालय तहसीलदार बालाघाट द्वारा अतिक्रमणकारियों को पूर्व में नोटिस एवं बेदखली आदेश जारी किए जाने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया है। अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी गई है कि वे तीन दिनों के भीतर शासकीय जमीन पर किये गये अतिक्रमण हटा दें। अन्यथा उनका अतिक्रमण बलपूर्वक हटा दिया जायेगा।

बालाघाट तहसीलदार द्वारा बताया गया है कि संबंधित अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर सुनवाई उपरांत 1 दिसंबर 2025 को बेदखली आदेश जारी किए गए थे। इसके बाद भी उनके द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाए जाने पर अंतिम नोटिस जारी किया गया, लेकिन अतिक्रमण यथावत बना रहा। प्रशासन द्वारा 29 मई 2026 को राजस्व अमले के साथ अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई, लेकिन मौके पर अतिक्रमणकारियों द्वारा विरोध करते हुए शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की गई। जिस पर रेवतनबाई मालवीय, अखिलेश मरकाम, कृष्णा मेश्राम, सरिता मेश्राम सहित अन्य अज्ञात अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कोतवाली थाना बालाघाट में भारतीय न्याय

संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 132, 221 एवं 351(3)(5) के तहत अपराध दर्ज कराया गया है।

तहसीलदार न्यायालय द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए पारित आदेश के अनुसार 18 दिसंबर 2025 से अतिक्रमण नहीं हटाने पर प्रतिदिन 2 हजार रुपये की दर से अतिक्रमणकारियों पर दंड अधिरोपित किया गया है, जिसकी वसूली मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 146 एवं 147 के तहत की जा रही है।

स भी अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी गई है कि यदि उनके द्वारा तीन दिनों के भीतर स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाया जायेगा तो प्रशासन द्वारा बलपूर्वक अतिक्रमण हटाया जाएगा तथा कार्रवाई में होने वाला समस्त व्यय भी संबंधित अतिक्रमणकारियों से वसूल किया जाएगा।

दो नाबालिगों का रुकवाया गया बाल विवाह

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग बालाघाट के त्वरित एवं समन्वित प्रयासों से 04 जून को गढी खुर्सीपार में दो नाबालिगों का बाल विवाह समय रहते रुकवा दिया गया। यह कार्रवाई महिला एवं बाल विकास की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया के मार्गदर्शन में की गई।

वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री रचना चौधरी ने बताया कि चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना मिली थी कि थाना गढ़ी क्षेत्र के ग्राम खुर्सीपार में एक बालक एवं बालिका का विवाह कराया जा रहा है। सूचना मिलते ही वन स्टॉप सेंटर बैहर द्वारा थाना गढ़ी को अवगत कराया गया। इसके बाद पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और विवाह की प्रक्रिया रुकवाकर आवश्यक कार्रवाई की। साथ ही परिजनों को समझाइश देते हुए बालिका को सुरक्षित रूप से उसके परिवार के सुपुर्द किया गया। इसके पश्चात वन स्टॉप सेंटर, महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग तथा जनप्रतिनिधियों की संयुक्त टीम ने बालक और बालिका के गांव पहुंचकर दस्तावेजों का सत्यापन किया। जांच में बालिका की आयु 17 वर्ष 10 माह तथा बालक की आयु 20 वर्ष पाई गई, जिससे दोनों विधिक रूप से विवाह के लिए निर्धारित आयु पूरी नहीं कर सके थे।

संयुक्त टीम ने दोनों परिवारों को बाल विवाह के दुष्परिणामों, शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों तथा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों की जानकारी दी। कानूनी समझाइश के बाद दोनों परिवार विवाह स्थगित करने के लिए सहमत हो गए। महिला एवं बाल विकास विभाग ने आमजन से अपील की है कि बाल विवाह की किसी भी सूचना की जानकारी तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181 अथवा संबंधित विभाग को दें, ताकि बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

10 दिनों से काम बंद, आशा कार्यकर्ता का आंदोलन जारी

भुगतान में देरी को लेकर बिरसा ब्लॉक में बढ़ा आक्रोश

हरिभूमि न्यूज बिरसा। बिरसा तहसील अंतर्गत आशा कार्यकर्ता पिछले 10 दिनों से काम बंद अपनी मांगों पर संघर्ष कर रही है हैं। दिनांक 22 मई 2026 से शुरू हुए इस काम बंद आंदोलन के चलते बिरसा ब्लॉक की आशा कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य सेवाओं से स्वयं को अलग रखा है। आशा कार्यकर्ताओं का कहना है कि उनके लंबित भुगतान और समय पर राशि नहीं मिलने की समस्या का अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है।आशा कार्यकर्ता संघ बिरसा ब्लॉक की अध्यक्ष रामबती उइके एवं सचिव सोमलता राहंगडाले ने बताया कि संगठन द्वारा पूर्व में ही काम बंद करने संबंधी ज्ञापन खण्ड अधिकारी के द्वारा शासन-प्रशासन को सौंपा गया था, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि लगातार अपनी समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद भुगतान प्रक्रिया में सुधार नहीं हुआ है, जिससे कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी है।

बैठक में रखी गईं समस्याएं: दिनांक 01 जून 2026 को बिरसा में आशा कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक के दौरान बिरसा ब्लॉक के खंड अधिकारी से चर्चा कर भुगतान संबंधी समस्याओं को उठाया गया। कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि जब तक उनका संपूर्ण लंबित भुगतान नहीं किया जाता, तब तक वे अपने कार्यों पर वापस नहीं लौटेंगी।

स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे सवाल: आंदोलनरत आशा कार्यकर्ताओं का कहना है कि शासन-प्रशासन की ओर से अभी तक उनके पक्ष में कोई स्पष्ट आदेश या समाधान सामने नहीं आया है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि आशा कार्यकर्ता लगातार काम बंद पर हैं, तो क्या स्वास्थ्य विभाग बिना उनके सहयोग के सुचारू रूप से कार्य कर पा रहा है? क्या विभाग को जमीनी स्तर पर कार्य करने वाली आशा कार्यकर्ताओं की आवश्यकता

नहीं है?

खंड अधिकारी और अकाउंटेंट पर लगाए आरोप: बिरसा ब्लॉक की आशा कार्यकर्ताओं ने खंड अधिकारी एवं अकाउंटेंट पर उनके कार्यों के लिए गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि अधिकारियों की अनदेखी लापरवाही के कारण समय पर भुगतान नहीं हो पाता है। कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए तथा आवश्यक होने पर उन्हें बिरसा तहसील से हटाया जाए।

पूर्व में बीएमओ ने दी थी यह जानकारी: इस विषय में पूर्व में बिरसा तहसील के बीएमओ डॉ. सुनील सिंह से जानकारी ली गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया था कि आशा कार्यकर्ताओं के भुगतान में बीएमओ कार्यालय का प्रत्यक्ष हस्तक्षेप नहीं होता है। उनके अनुसार प्रत्येक माह कार्यों का विवरण संबंधित अकाउंटेंट द्वारा जिला मुख्यालय बालाघाट भेजा जाता है। इसके बाद फंड जारी होने पर ट्रेजरी के माध्यम से राशि सीधे आशा कार्यकर्ताओं के बैंक खातों में जमा कर दी जाती है।

आशा कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सहित अनेक योजनाओं को धरातल पर पहुंचाने का कार्य करती हैं। ऐसे में उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान होना आवश्यक है। अब सभी की निगाहें शासन-प्रशासन की आगामी कार्रवाई और आंदोलन के समाधान पर टिकी हुई हैं।

सानू पटले, पलक बिसेन और वाहन चालक पर कार्यवाही

अवैध रूप से धान बीज बिक्री करने वालों पर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट में कृषि विभाग ने अवैध रूप से धान बीज बेचने के आरोप में एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड, बैहर के प्रोपराइटर सानू पटले, प्रतिनिधि पलक बिसेन और वाहन मालिक कुंजेलाल हिरवाने के खिलाफ बैहर थाने में अपराध दर्ज कराया है। इन पर आदिवासी किसानों को बिना लाइसेंस के गांव-गांव जाकर बीज बेचने का आरोप है।

कृषि विभाग को बैहर के विभिन्न गांवों में बिना वैध लाइसेंस के धान बीजों की अवैध बिक्री की शिकायत मिली थी। शिकायत के अनुसार, 31 मई को ग्राम गोहारा और 1 जून को ग्राम भंडेरी के काशीटोला तथा ग्राम पोला-पटपरी में एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड के प्रोपराइटर सानू पटले और उनके प्रतिनिधियों द्वारा वाहन के माध्यम से किसानों को विभिन्न कंपनियों के धान बीज बेचे जा रहे थे।

शिकायत के आधार पर, कृषि विभाग बैहर के एसडीओ एस.आर. धुर्वे ने कार्रवाई की। उन्होंने 2 जून को ग्राम काशीटोला और पोला-पटपरी तथा 3 जून को ग्राम गोहारा पहुंचकर किसानों के घरों में वितरित बीजों का सत्यापन किया। जांच के दौरान पंचनामा भी तैयार किया गया।

प्राथमिक जांच में पाया गया कि संबंधित व्यक्तियों ने केशव खनक सीड्स प्राइवेट लिमिटेड (गोंदिया, महाराष्ट्र), जयकुंड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड (वडोदरा, गुजरात), जीनोमिक्स एग्री जेनेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड (सिकंदराबाद, तेलंगाना) और सुमनजली सीड्स एंड फार्मर्स (हनमकोंडा, तेलंगाना) के बीज बिना वैध बीज लाइसेंस के क्षेत्र में बेचे थे।

जांच प्रतिवेदन के अनुसार, आदिवासी बहुल क्षेत्रों के किसानों को अवैधानिक रूप से बीज बेचे जाने की पुष्टि हुई। इसे किसानों के साथ धोखाधड़ी मानते हुए, कृषि विभाग ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 एवं 7, बीज अधिनियम 1966 और बीज (नियंत्रण) आदेश 1983 की धारा 3 के उल्लंघन के तहत पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई है।

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही प्रमाणित बीज खरीदें। विभाग ने किसी भी संदिग्ध विक्रय गतिविधि की सूचना तत्काल कृषि विभाग को देने का आग्रह भी किया है।

भटेरा रोड ओव्हर ब्रिज के कार्य में गति लाने के निर्देश

रोड ओव्हर ब्रिज के कार्यों की कलेक्टर ने की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने 04 जून को रेल्वे, सेतु निर्माण विभाग, लोक निर्माण विभाग एवं यातायात थाना के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले के विभिन्न स्थानों पर बन रहे रोड ओव्हर ब्रिज के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में एसडीएम श्री गोपाल सोनी भी उपस्थित थे।

बैठक में सर्वप्रथम भटेरा रोड पर बनने वाले रोड ओव्हर ब्रिज के कार्य की समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि रेल्वे द्वारा डायवर्सन मार्ग पर लेवल क्रासिंग का कार्य पूर्ण नहीं करने के कारण भटेरा मेन रोड से आवागमन बंद नहीं किया जा रहा है। इस लेवल क्रासिंग पर सिविल वर्क पूर्ण कर लिया गया है लेकिन रेलवे द्वारा इलेक्ट्रिक एवं सिग्नल का कार्य पूर्ण नहीं किया गया है। कलेक्टर श्री मीना ने इस स्थिति पर नाराजगी जाहिर की और रेलवे के इलेक्ट्रीकल विभाग से डायवर्सन रोड की लेवल क्रासिंग का कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिये। एक सप्ताह के भीतर यह कार्य पूर्ण हो जाना चाहिए। भटेरा रोड के ओव्हर ब्रिज निर्माण कार्य में गति नहीं लाने के लिए उसके ठेकेदार पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिये गये। मुख्य नगर पालिका अधिकारी को भटेरा रोड पर पानी की निकासी के लिए बनाई गई नाली को गलियों वाले स्थानों पर ऊपर से ढकने एवं आवागमन लायक बनाने के निर्देश दिये गये।

बैठक में बताया गया कि भटेरा रोड ओव्हर ब्रिज के निर्माण के लिए बैहर रोड पर डॉ शिशिर खरे के मकान के सामने से डायवर्सन रोड दिया गया है। इस डायवर्सन रोड से दो पहिया एवं हल्के चार पहिया वाहन आवागमन कर सकेंगें। यह डायवर्सन मार्ग प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की सेंट मेरी स्कूल-बोदा-आंवलाझरी सडक पर मिलता है। लामता-समनापुर से बालाघाट की ओर आने वाले बड़े एवं भारी वाहनों को कुम्हारी से धपेरा-मोहगांव होते हुए या कुम्हारी से पाथरवाड़ा-जागपुर-आवलाझरी होते हुए मुख्य सड़क पर पहुंचना होगा। लामता-समनापुर की ओर से आने वाली बसों के लिए महर्षि स्कूल के सामने अस्थायी बस स्टैंड बनाया गया है।

20 घंटे के संघर्ष के बाद मरीज को मिला नया जीवन, अस्पताल में मनाया जन्मदिवस

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। श्री विचक्षण जैन हॉस्पिटल बालाघाट में चिकित्सकों की तत्परता और समर्पित उपचार से एक गंभीर मरीज को नया जीवन मिला। वारासिवनी निवासी विनीत डोंगरे को अत्यंत गंभीर एवं बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मरीज को लगातार तीव्र झटके आ रहे थे, जिसके कारण उसकी स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई थी। अस्पताल के चिकित्सकों और स्टाफ ने लगभग 20 घंटे तक लगातार गहन चिकित्सा एवं निगरानी में रखकर मरीज का उपचार किया। विषम परिस्थितियों के बीच किए गए अथक प्रयासों से मरीज की हालत में धीरे-धीरे सुधार आया और वह खतरे से बाहर निकल सका।उपचार के दौरान डॉक्टर ए.के. जैन, डॉक्टर नवीन सोनवे, डॉक्टर सरिता पांचे तथा अस्पताल के समस्त स्टाफ और मैनेजमेंट टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैनेजमेंट विक्रम चौधरी ने उपचार व्यवस्था में अहम सहयोग प्रदान किया।मरीज के पूर्ण रूप से स्वस्थ होने पर 4 जून को

अस्पताल परिसर में भावनात्मक माहौल के बीच विनीत डोंगरे का जन्मदिवस मनाया गया। इस अवसर पर अस्पताल के चिकित्सक, स्टाफ एवं प्रबंधन टीम उपस्थित रही। सभी ने मरीज के उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि मरीज की स्वस्थ होकर घर वापसी पूरे चिकित्सा दल के लिए संतोष और खुशी का विषय है।

बिजली बिल को नियत्रंण करने की चाबी अब आपके पास

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

अधिकतर उपभोक्ता बिजली का बिल ज्यादा आने पर स्मार्ट मीटरों या बिजली कंपनी को शिकायत हैं जबकि वास्तविकता यह है कि उपकरणों के ज्यादा उपयोग से बिजली का बिल ज्यादा आता है। यदि आप थोड़ी सी सावधानी बरतें तो बिल ज्यादा आने की आपकी चिंता बढ़ेगी नहीं। आप चाहें तो अपने बढ़ते बिल को नियंत्रण में रख सकते हैं। बस आपको अपनी आदतों में बदलाव करना होगा। एक आंकलन के अनुसार अधिकांश शहरवासी रिमोट चलित विद्युत उपकरणों को ''स्टैंडबाय'' मोड पर छोड़.देते हैं, जिससे उपकरण तो बंद हो जाते हैं परन्तु इनमें सतत विद्युत प्रवाहित होती रहती है। यदि आप रिमोट से चलने वाले उपकरणों को स्विच ऑफ नहीं करते है और रिमोट से बंद करके उपकरणों को छोड़ देते हैं तो बिजली की खपत बढ़ जाती है, जिससे बिल बढ़ जाता है।

एक सर्वे के अनुसार 70 फीसदी लोग टी.वी. को मैन स्विच से ऑन-ऑफ न करके रिमोट से ऑन-ऑफ करते हैं। इससे टी.वी.ऑफ होने के बावजूद भी पॉवर सप्लाई चालू रहती है। इससे 21 इंच के टी.वी. में 15 वाट का करंट निरन्तर प्रवाहित होता रहता है एवं आपके मीटर को आगे बढ़ाता रहता है, जिसके कारण इन 70 फीसदी लोगों को हर महीने लगभग 200 रूपये और हर साल 1500 रूपये का अतिरिक्त भार सहना पड़ता है। इलेक्ट्रीशियन की सलाह के अनुसार एक व्यवसायी द्वारा 1200 वॉट क्षमता के एलईडी बल्ब अपने घर में लगाने के लिए खरीद लिए गए। इसी प्रकार एलईडी ट्यूबलाईट एवं ऊर्जा दक्ष पंखे लगा लिए तो उनके घर में बिजली की 30 प्रतिशत तक बिजली बचत हुई। बिजली विशेषज्ञों के अनुसार अब तो एल.ई.डी. जैसे उपकरण बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं, उनके उपयोग से और अधिक बिजली की बचत और ज्यादा रोशनी प्राप्त हो सकती है।

यूनाइटेड फोरम फॉर एम्प्लॉइज द्वारा कारंजा वितरण केन्द्र में सुरक्षा एवं कर्मचारी के हितों को लेकर बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। यूनाइटेड फोरम फॉर एम्प्लॉइज के तत्वावधान में बालाघाट संभाग अंतर्गत कारंजा वितरण केन्द्र में 31 मई को घटित विद्युत दुर्घटना के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य दुर्घटना की परिस्थितियों की समीक्षा करना, प्रभावित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करना तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु आवश्यक सुरक्षा उपायों पर विचार-विमर्श करना था।बैठक से पूर्व यूनियन पदाधिकारियों द्वारा दुर्घटनाग्रस्त आउटसोर्स कर्मचारी के पिता एवं अन्य परिजनों से भेंट कर उन्हें विभागीय नियमों के अंतर्गत उपलब्ध अनुदान एवं सहायता संबंधी प्रावधानों की जानकारी दी गई। साथ ही यूनियन एवं विभाग की ओर से हरसंभव मानवीय सहयोग प्रदान करने का आश्वासन भी दिया गया।इसके उपरांत आयोजित संयुक्त बैठक में यूनियन पदाधिकारियों, विद्युत अधिकारियों, कनिष्ठ अभियंताओं, लाइन स्टाफ, लाइनमैन, परीक्षण सहायकों, आउटसोर्स एवं संविदा कर्मचारियों सहित तकनीकी कर्मचारियों ने सहभागिता की।

बैठक में दुर्घटना के कारणों एवं परिस्थितियों की समीक्षा करते हुए कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन की आवश्यकता पर बल दिया गया। सभी कर्मचारियों को "सेफ्टी फर्स्ट" के सिद्धांत के अनुरूप कार्य करने तथा प्रत्येक कार्य से पूर्व निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया गया।बैठक में विभिन्न मुख्यालयों पर उपलब्ध सुरक्षा उपकरणों एवं सेफ्टी टूल्स की समीक्षा भी की गई। कर्मचारियों द्वारा जिन आवश्यक उपकरणों एवं सुरक्षा सामग्रियों की कमी की जानकारी दी गई, उन्हें संकलित कर उच्च स्तर पर आवश्यक पहल के माध्यम से उपलब्ध कराने का आश्वासन यूनियन द्वारा दिया गया।इस अवसर पर संगठन के विस्तार के तहत अनेक कर्मचारियों ने यूनियन की सदस्यता ग्रहण की। साथ ही कारंजा वितरण केन्द्र अंतर्गत दो शाखा प्रतिनिधियों के चयन हेतु निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न की गई, जिसमें सर्वसम्मति से श्री दिनेश कुमार गजभिए एवं श्री ऋषि कुमार घोरमारे को शाखा प्रतिनिधि चुना गया।बैठक में यूनियन के प्रांतीय पदाधिकारी श्री आई.डी. पटले, सेवानिवृत्त लाइन इंस्पेक्टर श्री एम.एस. राजपूत, सेवानिवृत्त कार्यालय सहायक श्री ए.सी. कुसले, श्री विश्वजीत शर्मा (कनिष्ठ अभियंता, कारंजा), श्री मोहसिन खान सहित वितरण केन्द्र के अधिकारी, कर्मचारी एवं यूनियन सदस्य उपस्थित रहे।यूनाइटेड फोरम फॉर एम्प्लॉइज ने पुनः स्पष्ट किया कि कर्मचारियों की सुरक्षा, सम्मान एवं कल्याण संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं तथा कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए संगठन निरंतर प्रयासरत रहेगा।

अनुसूचित जनजाति आयोग सदस्य श्री नेताम का दमोह-बिरसा आगमन आज

बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्यअनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य श्री भगतसिंह नेताम का 05 जून को दमोह-बिरसा आगमन हो रहा है। श्री नेताम 05 जून को प्रातः 06 बजे भोपाल से प्रस्थाान कर दोपहर 03 बजे दमोह-बिरसा पहुंचेंगें। श्री नेताम 06 जून को दमोह-बिरसा में आयोजित स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगें। श्री नेताम 07 जून को प्रातः 10 से दोपहर 12 बजे तक बिरसा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण करेंगें और अपरान्ह 04 बजे ग्राम देवगांव में भगवान बिरसा मुंडा के मूर्ति अनावरण व अनुसूचित जनजाति सम्मेलन कार्यक्रम में शामिल होंगें और शाम 06 बजे गोंदिया के लिए प्रस्थान करेंगें। श्री नेताम रात्रि 10 बजे गोंदिया से भोपाल के लिए रवाना होंगें और 08 जून को सुबह भोपाल पहुंचेंगें।